▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 290 ▸▸मुंबई, शनिवार, 27 दिसंबर 2025 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

बन गई बात!

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बीएमसी चुनाव अगर विपक्षी गठबंधन के लिए अस्तित्व की लड़ाई का मैदान है, तो सत्ताधारी महायुति के लिए सियासी वर्चस्व साबित करने का बेहतरीन मौका - कॉमन बात ये है कि दोनों ही पक्ष अब तक सीटों के बंटवारे से जूझ रहे हैं. लेकिन अब सूरत-ए-हाल तेजी से बदल रहे हैं। मुंबई महानगरपालिका के आगामी चुनावों को लेकर राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के बीच सीट बंटवारे को लेकर सहमति लगभग बन चुकी है। इसी के साथ मनसे ने अपने उम्मीदवारों की सूची को भी अंतिम रूप दे दिया है। इसके जवाब में महायुति (भाजपा और शिंदे गुट) ने भी अपनी रणनीति तेज कर दी है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, मुंबई की अधिकांश सीटों पर भाजपा और शिंदे गुट के बीच तालमेल लगभग तय हो चुका है। हालांकि, कुछ चुनिंदा सीटों पर अभी भी पेच फंसा हुआ है, जिन्हें सुलझाने के लिए दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं के बीच बैठकों का दौर जारी है। माना जा रहा है कि जल्द ही इन बची हुई सीटों पर भी अंतिम फैसला ले लिया जाएगा ताकि एकजुट होकर विपक्षी चुनौती का सामना किया जा सके।

- मनसे और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के बीच सीट बंटवारे को लेकर बनी सहमति
- महायुति में भी सीट बंटवारे पर सहमति, साथ मिलकर लड़ेंगे चुनाव

महायुति में सीटों का बंटवारा कहां तक?

लेटेस्ट अपडेट यही है कि महायुति के सहयोगी दलों के नेताओं के बीच 200 सीटों पर सहमति बन चुकी है। लेकिन, 27 सीटें अब भी ऐसी हैं, जिन पर पेच फंसा हुआ है।बीजेपी अब 125 सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार बताई जा रही है। पहले बीजेपी 150 सीटों पर खुद चुनाव लड़ना चाहती थी, और बाकी 77 सीटे सहयोगी दलों को देना चाहती थी। एकनाथ शिंदे की शिवसेना 101 सीटें मांग रही है। एकनाथ शिंदे अब भी अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। कुछ रिपोर्ट में उनके 125 सीटों की मांग की भी बात कही गई है। अगर बीजेपी 125 सीटें ले ले, और एकनाथ शिंदे 101, फिर तो अजित पवार के लिए 1 ही सीट बचेगी। बीएमसी में कुल 227 सीटों के लिए चुनाव होने जा रहे हैं।

मनसे उम्मीदवारों की सूची फाइनल

शुक्रवार सुबह मनसे और यूबीटी के प्रमुख नेताओं की बैठक हुई, जिसके बाद मनसे नेता नितीन सरदेसाई और बाला नांदगांवकर एक बंद लिफाफा लेकर राज ठाकरे के निवास 'शिवतीर्थ' पहुंचे। बताया जा रहा है कि खाकी लिफाफे में उम्मीदवारों के नामों की अंतिम सूची थी, जिसे अंतिम मंजूरी के लिए राज ठाकरे को सौंपा गया है। सूत्रों के अनुसार, इच्छुक उम्मीदवार मंगलवार तक ही नामांकन दाखिल कर सकते हैं। इसी समयसीमा को ध्यान में रखते हुए मनसे ने अपनी प्रक्रिया तेज कर दी है। राज ठाकरे की मंजूरी मिलने के बाद शनिवार सुबह उम्मीदवारों को मनसे कार्यालय से फोन पर सूचना दी जाएगी और दोपहर बाद ए-बी फॉर्म वितरित किए जाएंगे।

विपक्षी एकजुटता की कोशिशें तेज, जयंत पाटील ने की उद्धव ठाकरे से मुलाकात

राज-उद्धव की जोड़ी के मैदान में उतरने के बाद विपक्षी खेमे में भी समन्वय बढ़ाने की कवायद शुरू हो गई है। इसी सिलसिले में शरद पवार गुट के कद्दावर नेता जयंत पाटील ने उद्धव ठाकरे से मुलाकात की, जिसे आने वाले बीएमसी चुनावों के मद्देनजर बेहद अहम माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि उद्धव और राज ठाकरे के साथ आने से विपक्ष को एक नई ऊर्जा मिली है।

आगामी बीएमसी चुनाव में कड़े मुकाबले के आसार, जुबानी जंग के लिए तैयार दल

उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन ने जहां विपक्षी दलों को एक नई धार दी है, वहीं महायुति भी किसी भी तरह की ढील देने के मूड में नहीं है। दोनों ही गठबंधन मुंबई के चुनावी मैदान में अपनी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी कर रहे हैं। जैसे ही सीट बंटवारे की आधिकारिक घोषणा होगी, चुनावी मैदान में जुबानी बाणों का दौर और भी तेज होने की संभावना है।

फिर जहरीली हुई मुंबई की हवा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पिछले कुछ दिनों से वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) लगातार 'मध्यम' श्रेणी में बना हुआ है, जो नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है। 'समीर' ऐप के ताजा आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को मुंबई का औसत AQI 125 दर्ज किया गया। हालांकि, शहर के कुछ इलाकों में स्थिति बेहद गंभीर है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि मुंबई के प्रदूषण स्तर में एक बार फिर तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

- चेंबूर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 217 के पार
- हाईकोर्ट ने BMC और MPCB को दिए ठोस कदम उठाने के दिए थे निर्देश

चेंबूर में 'बेहद खराब' हुई हवा

मुंबई के चेंबूर इलाके में प्रदूषण की स्थिति सबसे भयावह दर्ज की गई। दोपहर तक जो AQI 'मध्यम' श्रेणी में था, वह शाम होते-होते 'खराब' श्रेणी में पहुंच गया। चेंबूर में हवा की गुणवत्ता का सूचकांक 217 दर्ज किया गया, जिससे स्थानीय निवासियों को सांस लेने में कठिनाई महसूस हुई। आंकड़ों के मुताबिक, यहां की हवा में पीएम 2.5 कणों की मात्रा सबसे अधिक पाई गई, जो फेफड़ों के लिए अत्यंत हानिकारक है।

दिसंबर की शुरुआत से बिगड़े हालात

पिछले दो महीनों में मुंबई के प्रदूषण स्तर में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया था, लेकिन दिसंबर महीने की शुरुआत से ही हवा की गुणवत्ता में गिरावट का सिलसिला जारी है। शहर का औसत सूचकांक अब 'मध्यम' श्रेणी पर ही स्थिर हो गया है। इस बिगड़ते हालात को देखते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी सख्त रुख अपनाया है और मुंबई नगर निगम (BMC) तथा महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को तत्काल प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

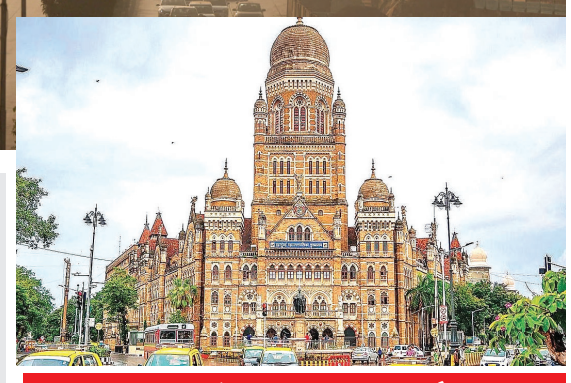

प्रदूषण के मुख्य कारण और विशेषज्ञों की राय

विशेषज्ञों का मानना है कि मुंबई में बढ़ती आर्द्रता के कारण सुबह के समय प्रदूषक तत्व हवा में ही जमे रह जाते हैं। इसके अलावा, शहर में बड़े पैमाने पर चल रहे विकास कार्य, निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं और वाहनों का भारी दबाव इस प्रदूषण के मुख्य कारक हैं। यही कारण है कि तमाम कोशिशों के बावजूद प्रदूषण का स्तर नीचे नहीं आ पा रहा है।

कहां कितनी खराब हवा?

समीर ऐप की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को मुंबई के अधिकांश हिस्सों में हवा 'मध्यम' श्रेणी में रही। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) में AQI 142, अंधेरी में 114, कांदिवली में 127, कुर्ला में 118, कोलाबा में 127 और शिवाजी नगर में 160 दर्ज किया गया। वर्ली के सिद्धार्थ नगर में भी सूचकांक 135 तक पहुंच गया। शहर के गिने-चुने इलाकों जैसे घाटकोपर और विलेपार्ले में ही हवा 'संतोषजनक' श्रेणी में रही।

हाईकोर्ट का बीएमसी को दिया था अल्टीमेटम

मुंबई में लगातार गिरती हवा की गुणवत्ता को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया था। इसी मामले में मंगलवार को मुंबई महानगरपालिका आयुक्त भुशन गगरानी हाईकोर्ट के समक्ष पेश हुए थे। बीएमसी की ओर से दावा किया गया था कि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए किए गए विभिन्न उपायों के बाद हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। बीएमसी ने कई इलाकों में निरीक्षण होने की बात कही थी। नियमों का उल्लंघन करने वालों को शो-कॉज नोटिस और स्टॉप वर्क नोटिस जारी किए गए हैं। नवंबर से अब तक 148 स्टॉप वर्क नोटिस दिए जा चुके हैं।

नाम के आगे नहीं लिख सकते 'भारत रत्न'

- बॉम्बे हाईकोर्ट ने जारी किया आदेश, बताया गैर कानूनी
- भारत रत्न, पद्म श्री, पद्म भूषण, पद्म विभूषण, सम्मान हैं कोई टाइटल नहीं : कोर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि भारत रत्न, पद्म श्री, पद्म भूषण, पद्म विभूषण जैसे नागरिक सम्मान कोई उपाधि (टाइटल) नहीं हैं। ऐसे में इन्हें किसी के नाम के आगे या पीछे नहीं लगाया जा सकता है। कोर्ट ने यह बात एक याचिका के केस टाइटल में पद्म श्री लिखे जाने पर की। दरअसल जस्टिस सोमशेखर सुंदरेसन की बेंच याचिका की सुनवाई कर रही थी। इसमें 2004 में पद्म श्री से सम्मानित डॉ. शरद मोरेश्वर हार्डिकर भी एक पक्षकार थे।

सुप्रीम कोर्ट के 1995 के फैसले का हवाला

हाईकोर्ट ने 1995 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले का जिक्र किया। उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पद्म पुरस्कार और भारत रत्न उपाधि नहीं हैं और इन्हें नाम के आगे या पीछे इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। जस्टिस सुंदरेसन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला संविधान के अनुच्छेद 141 के तहत सभी पर लागू होता है। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

3 श्रेणियों में दिया जाता है पद्म पुरस्कार

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों- पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण में प्रदान किए जाते हैं। ये पुरस्कार कला, समाज सेवा, साइंस, इंजीनियरिंग, बिजनेस, इंडस्ट्री, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए दिए जाते हैं।

ब्रीफ न्यूज़

मुंबई में कोई भी मतदान केंद्र अत्यधिक संवेदनशील नहीं

मुंबई। विधानसभा चुनावों की तुलना में इस बार 190 अधिक मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मुंबई नगर निगम प्रशासन ने बताया कि घनी आबादी के बावजूद मुंबई में कोई भी मतदान केंद्र अत्यधिक संवेदनशील नहीं है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से निजी सोसाइटियों में अधिक मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। शहर की लगभग 700 निजी सोसाइटियों में नागरिकों के घरों के पास मतदान केंद्र बनाए जाएंगे।

देश में पुलिस का समान एटीएस तंत्र जरूरी : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद की चुनौती से निपटने के लिए पूरे देश में पुलिस का साझा आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस तंत्र) बनाने पर जोर दिया है। गृह मंत्री ने कहा एटीएस तंत्र से आतंक रोधी ग्रिड को मजबूत मिलेगी और हर स्तर पर आतंकी घटनाओं को रोकना आसान होगा। शुक्रवार को दिल्ली में एनआईए द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'आतंकवाद निरोधी सम्मेलन' का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने ये ये बात कही। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम संगठित अपराधों पर 360 डिग्री प्रहार की योजना ला रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अभेद्य और मजबूत 'आतंकवाद निरोधी ग्रिड' बनाना है जो हर तरह की चुनौती का सामना कर सके।

मंत्री भरत गोगावले के बेटे की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाड नगरपरिषद चुनाव के दौरान हुई मारपीट की घटना में राज्य के मंत्री भरत गोगावले के पुत्र विकास गोगावले की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। लगातार तीसरी बार राहत से इनकार किए जाने के बाद अब उनकी गिरफ्तारी की संभावना बढ़ गई है। गिरफ्तारी से बचने के लिए विकास पिछले 24 दिनों से फरार बताए जा रहे हैं। 2 दिसंबर 2025 को महाड नगरपरिषद चुनाव के दौरान वार्ड क्रमांक 2 में स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई, जब शिवसेना (शिंदे) और राकांपा (अजित) के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि इस झड़प के दौरान राकांपा (अजित) के पदाधिकारियों पर हमला किया गया, जिसमें विकास गोगावले और उनके समर्थकों की भूमिका बताई जा रही है। घटना के बाद महाड पुलिस स्टेशन में विकास समेत कुल 29 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

आरोपी अब भी फरार

मामले में दर्ज एफआईआर के बाद से ही सभी आरोपी फरार हैं और अब तक पुलिस के हाथ नहीं लगे हैं। राकांपा (अजित) के पदाधिकारी नाना जगताप भी अभी तक गिरफ्त से बाहर बताए जा रहे हैं। गिरफ्तारी से बचने के लिए विकास गोगावले ने पहले मानगांव अदालत में दो बार अग्रिम जमानत की अर्जी दी थी।

नौ ड्रग तस्कर गिरफ्तार

33.86 करोड़ की हेरोइन जब्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के पश्चिमी उपनगर ओशिवारा में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतर-जिला ड्रग सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया है और 8.73 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 33.86 करोड़ रुपये आंकी गई है। कार्रवाई से यह साफ हुआ है कि शहर में मादक पदार्थों की तस्करी संगठित और बहुस्तरीय नेटवर्क के जरिए की जा रही थी।

राजस्थान तक पहुंचा नेटवर्क

पुलिस के अनुसार, 16 दिसंबर को पायधोनी इलाके से दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद जांच की कड़ी आगे बढ़ती गई। पूछताछ में सप्लायरों के नाम सामने आए, जिसके आधार पर एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया गया और फिर मुख्य सप्लायर को राजस्थान के अजमेर से पकड़ा गया। आगे की जांच में किशोरी समेत अन्य आरोपियों की भूमिका उजागर हुई। 24 दिसंबर को हुई छापेमारी के दौरान ओशिवारा के आनंद नगर स्थित फ्लैट से ड्रग्स की बड़ी खेप बरामद की गई।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस

अमोल गायकवाड़ का बिश्नोई गैंग के साथ है कनेक्शन

- मुंबई पुलिस ने आरोपित अमोल गायकवाड़ के खिलाफ दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एपी) गुट के नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में आरोपित अमोल गायकवाड़ के खिलाफ करीब 200 पन्नों की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में लगभग 30 गवाहों के बयान दर्ज हैं, साथ ही गायकवाड़ और फरार आरोपित शुभम लोंकर के बीच की अहम कड़ियों का विस्तृत ब्योरा शामिल किया गया है।

कोल्हापुर से हुई थी गिरफ्तारी

जांच अधिकारियों के मुताबिक पुणे के वारजे निवासी अमोल गायकवाड़ इस मामले में गिरफ्तार होने वाला 27वां आरोपित है। वह कई महीनों तक फरार रहा और गिरफ्तारी से बचने के लिए नासिक, सोलापुर और कोल्हापुर के बीच लगातार स्थान बदलता रहा। आखिरकार अगस्त में उसे कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया। सप्लीमेंट्री चार्जशीट में उसके कथित तौर पर बिश्नोई गैंग से संबंधों का भी उल्लेख किया गया है।

डब्बा कॉलिंग और एन्क्रिप्टेड ऐप का इस्तेमाल

क्राइम ब्रांच की पूछताछ में गायकवाड़ ने कई अहम खुलासे किए। उसने स्वीकार किया कि वह शुभम लोंकर के संपर्क में रहने के लिए डब्बा कॉलिंग और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्लिकेशन का इस्तेमाल करता था। चार्जशीट के अनुसार 1 से 12 अक्टूबर 2024 के बीच वह शुभम लोंकर के भाई प्रवीण लोंकर के नियमित संपर्क में था। पुलिस का कहना है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या की विस्तृत योजना इसी अवधि में बनाई गई थी। सप्लीमेंट्री चार्जशीट के जरिए साजिश की कई कड़ियां सामने आई हैं।

चुनाव | बीएमसी में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलता का लगाया आरोप

एक्शन में कांग्रेस, प्रकाशित किया आरोपपत्र

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई कांग्रेस ने शुक्रवार को बृहन्मुंबई नगर निगम के खिलाफ एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। इसमें उन्होंने नागरिक निकाय के कामकाज में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलताओं और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि एशिया का सबसे अमीर और सबसे बड़ा नागरिक निकाय होने के बावजूद, पिछले तीन वर्षों से बिना चुने हुए प्रतिनिधियों के चल रहा बीएमसी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रहा है।

कांग्रेस ने लगाया आरोप

कांग्रेस की इस रिपोर्ट में नागरिक के कामों, टेंडर प्रक्रियाओं और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग से संबंधित 13 प्रमुख बिंदुओं को सूचीबद्ध किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासक के शासन में महायुति सरकार ने न केवल मुंबईवासियों को उनके मताधिकार से वंचित रखा, बल्कि प्रमुख विभागों में उचित पर्यवेक्षण की कमी के कारण बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता भी खराब हुई है।

कांग्रेस प्रगति के मुद्दों पर चुनाव

गायकवाड़ ने आगे कहा कि भ्रष्ट महायुति निगम के कारण शहर में खराब सड़कें, पानी की किल्लत, यातायात की समस्याएं, वायु प्रदूषण और गड्ढों जैसी समस्याएं चरम पर हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई कांग्रेस 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों में किसी भी अनावश्यक विवाद के बजाय केवल विकास, न्याय और प्रगति के मुद्दों पर चुनाव लड़ेगी।

मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव

शर्तों के जाल में फंसी युति

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव को लेकर भाजपा और शिवसेना में गठबंधन को लेकर चर्चा चल रही है। इस बीच भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि केवल 21 सीटों के लिए ही सशर्त युति होगी, अन्यथा भाजपा अकेले चुनाव लड़ेगी। शाम को परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और विधायक नरेंद्र मेहता के बीच हुई बैठक में दोनों नेताओं ने पहली बार मिलकर मनपा चुनाव लड़ने का संकेत दिया।

मीरा-भाईंदर में महायुति के लिए भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के निर्देशानुसार भाजपा और शिवसेना (शिंदे) में समन्वय समिति का गठन किया गया है। समिति में भाजपा की ओर से विधायक नरेंद्र मेहता, जिलाध्यक्ष दिलीप जैन और विधानसभा अध्यक्ष रवि व्यास शामिल हैं, जबकि शिवसेना की ओर से परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, सांसद नरेश म्हस्के और जिलाप्रमुख राजू भोईर हैं। 26 दिसंबर को भाजपा जिला कार्यालय में हुई पहली बैठक सफल रही।

भाजपा और शिवसेना में सीट को लेकर उठापटक

मीरा-भाईंदर में भाजपा का मजबूत जनाधार

गौरतलब है कि 2007 के मनपा चुनाव में भाजपा ने 9 सीटें, 2012 में 29 और 2017 में 61 सीटें जीतकर लगातार जनाधार बढ़ाया है। 2017 के परिणामों के अनुसार भाजपा के पास 61 और शिवसेना के पास 17 सीटें थीं। इसके बाद 4 और नगरसेवक भाजपा में शामिल हुए, जिससे भाजपा के पास कुल 65 और शिवसेना के पास 17 पार्षद हो गए।

भाजपा की तीन शर्तें और युति की बाधाएं

विधायक नरेंद्र मेहता ने सीटों के बंटवारे पर स्पष्ट किया कि 8 सीटें सहयोगी दल को दे दी गई हैं। पहली शर्त यह है कि केवल 21 सीटों पर युति होगी, दूसरी शर्त यह कि हाल ही में टिकट के लालच में शिवसेना में गए पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को वापस भेजा जाए। तीसरी शर्त यह है कि मनपा के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर उनके मित्र द्वारा मनपा के शिवार गार्डन में किया गया अवैध कब्जा चुनावी मुद्दा है, जिसे परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा चुनाव से पहले हल किया जाना चाहिए। इसके बावजूद महायुति के वरिष्ठ नेताओं का आदेश सर्वोपरि है।

स्थानीय स्थिति और बैठक का परिणाम

स्थानीय भाजपाईयों के अनुसार शिवसेना के कुछ नेताओं द्वारा नरेंद्र मेहता के खिलाफ तीखी बयानबाजी की जा रही है, जिससे कार्यकर्ताओं में रोष है। मीरा रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय में शाम 6.30 बजे से डेढ़ घंटे चली बैठक सकारात्मक रही और अगले दो दिनों में सीटों का सम्मानजनक बंटवारा हो जाने की उम्मीद है।

नेताओं के बयानों से संकेत

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि महायुति की सरकार केंद्र और राज्य में साथ है और पहली बैठक सकारात्मक रही। विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि प्रस्ताव दोनों पक्षों ने रखा है और अगले दो दिनों में निर्णय हो जाएगा, महायुति में ही चुनाव लड़ा जाएगा।

जंगल कटाई पर मुख्यमंत्री की सख्ती

डॉ प्रशांत के पत्र से सीएम ने वन विभाग को किया तलब

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत रवींद्र सिनकर के पत्र पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संज्ञान लेते हुए वन विभाग को तलब किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस मुद्दे को गंभीर मानते हुए संबंधित आवेदन आगे की कार्रवाई के लिए वन मंत्री कार्यालय भेज दिया है। इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार जंगल कटाई और उससे जुड़े पर्यावरणीय संकट पर सक्रिय रुख अपना रही है।

इंसान–तेंदुआ संघर्ष की असली वजहें

डॉ. सिनकर ने अपने पत्र में मुंबई, ठाणे और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में बढ़ते इंसान–तेंदुआ टकराव के पीछे जंगलों की कटाई, अतिक्रमण, कचरा प्रबंधन की कमी, लाइट पॉल्यूशन और बेतरतीब विकास परियोजनाओं को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इंसान तेंदुए के प्राकृतिक आवास में दखल देता है, तो दोष तेंदुए पर क्यों मढ़ा जाता है।

सरकार की ओर से कार्रवाई के संकेत

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा मामले को वन मंत्री कार्यालय भेजे जाने से संकेत मिलते हैं कि सरकार इस विषय पर केवल औपचारिक नहीं, बल्कि ठोस कदम उठाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यह कदम इंसान–वन्यजीव संघर्ष को लेकर नीति स्तर पर समीक्षा और सुधार की संभावना को मजबूत करता है।

लंबी अवधि के समाधान की मांग

डॉ. सिनकर ने तेंदुओं को पकड़ने या हटाने के बजाय जंगलों की सुरक्षा, नेशनल पार्क सीमाओं पर नियोजित बस्तियां, बेहतर वेस्ट मैनेजमेंट, बायोलॉजिकल कॉरिडोर और जनजागरूकता पर जोर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि 'तेंदुए नहीं, बल्कि गलत विकास मॉडल सबसे बड़ा खतरा है।' पर्यावरणविदों और नागरिकों को उम्मीद है कि सरकार इस मुद्दे पर तात्कालिक उपायों से आगे बढ़कर स्थायी और पर्यावरण–अनुकूल नीतिगत फैसले लेगी।

29 दिसंबर से बंद होंगी पुराने फुट ओवर ब्रिज की सीढ़ियाँ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने यात्री सुविधाओं में सुधार और स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के मद्देनजर कांदिवली और वसई रोड स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज (FOB) के कुछ हिस्सों को बंद करने का निर्णय लिया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, यह बदलाव 29 दिसंबर, 2025 से प्रभावी होगा। इस योजना के तहत पुराने और संकीर्ण बुनियादी ढांचे को हटाकर यात्रियों को अधिक आधुनिक और सुविधाजनक विकल्प प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

वसई रोड स्टेशन पर नई व्यवस्था

इसी क्रम में, वसई रोड स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 6 और 7 पर स्थित उत्तर दिशा से तीसरे फुट ओवर ब्रिज की दक्षिण दिशा की सीढ़ी को भी बंद किया जा रहा है। यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने यहाँ एक नव निर्मित सीढ़ी के साथ-साथ 60 मीटर लंबा एक विशाल डेक तैयार किया है। रेलवे प्रशासन ने सभी यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा के दौरान इन नए बदलावों का ध्यान रखें और उपलब्ध कराए गए नए विकल्पों का ही उपयोग करें।

कांदिवली स्टेशन पर बदलाव

कांदिवली स्टेशन के संबंध में दी गई जानकारी के अनुसार, प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर उत्तर दिशा से दूसरे फुट ओवर ब्रिज की दक्षिण दिशा वाली सीढ़ी को स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। हालांकि, यात्रियों को असुविधा न हो, इसके लिए रेलवे ने इसी प्लेटफॉर्म और फुट ओवर ब्रिज के उत्तर की ओर समान चौड़ाई वाली एक नई सीढ़ी का निर्माण किया है, जिसे 29 दिसंबर से ही सार्वजनिक उपयोग के लिए खोल दिया जाएगा।

नए साल पर यात्रियों को बड़ी सौगात

मुंबई और हैदराबाद के बीच चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

रेलवे के सोलापुर डिवीजन ने नए साल के अवसर पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए मुंबई (LTT) और हैदराबाद के बीच 'न्यू ईयर स्पेशल' ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेनें सोलापुर, कालाबुरागी और वाडी जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर गुजरेंगी, जिससे महाराष्ट्र और तेलंगाना के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। शेड्यूल के अनुसार, ट्रेन नंबर 07458 हैदराबाद-LTT मुंबई स्पेशल रविवार, 28 दिसंबर 2025 को शाम 17:30 बजे हैदराबाद से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 10:40 बजे मुंबई पहुंचेगी। वहीं, वापसी में ट्रेन नंबर 07459 सोमवार, 29 दिसंबर 2025 को दोपहर 15:20 बजे मुंबई से रवाना होकर अगले दिन सुबह 09:00 बजे हैदराबाद पहुंचेगी।

सुविधाजनक सफर के लिए 22 कोच और प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव

यात्रियों की सुविधा के लिए इस स्पेशल ट्रेन में कुल 22 कोच लगाए गए हैं, जिसमें फर्स्ट AC कम AC-II टियर, AC-III टियर, स्लीपर क्लास और सेकंड क्लास की व्यवस्था की गई है। यह ट्रेन अपने मार्ग में बेगमपेट, लिंगमपल्ली, विकाराबाद, तांडूर, वाडी, कालाबुरागी, सोलापुर, पुणे और कल्याण जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। नए साल के जश्न के लिए घर जाने वाले या घूमने की योजना बनाने वाले लोगों के लिए यह रेलवे की ओर से एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे नियमित ट्रेनों में सीटों की किल्लत कम होगी और यात्रियों का सफर सुखद बन सकेगा।

ठाणे मनपा चुनाव

1008 पर्चे बांटे, 2 नामांकन पत्र दाखिल

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका आम चुनाव के तहत 26 दिसंबर 2025 को शहर के 9 वार्डों में कुल 1008 नामांकन पत्र वितरित किए गए। चुनाव निर्णायक अधिकारी के अनुसार, विगत तीन दिनों—23, 24 और 26 दिसंबर—में कुल 3078 नामांकन पत्र बांटे जा चुके हैं, जिससे चुनावी माहौल के तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

आज कलवा वार्ड समिति से नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार गुट) की पूजा राजेंद्र शिंदे और अभिजीत अंकुश पवार ने चुनाव निर्णायक अधिकारी अश्विनी पाटिल के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले वागले इस्टेट क्षेत्र से एक निर्दलीय उम्मीदवार द्वारा नामांकन किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

वार्डवार वितरण से बढ़ी हलचल

आज वितरित नामांकन पत्रों में माझीवाड़ा से 113, वर्तकनगर से 128, लोकमान्य सावरकर वार्ड से 146, वागले इस्टेट से 115, नौपाड़ा–कोपरी से 94, उथलसर से 44, कलवा से 81, मुंब्रा से 180 और दिवा से 107 नामांकन पत्र शामिल हैं। वार्डवार आंकड़े बताते हैं कि आगामी दिनों में नामांकन दाखिल करने वालों की संख्या में और इजाफा होने की संभावना है।

नवनिर्वाचित महिला पार्षद के पति की दिनदहाड़े हत्या

डीबीडी संवाददाता । रायगढ़

रायगढ़ जिले के खोपोली में स्थित साईबाबा इलाके में शुक्रवार को सुबह 7 बजे शिवसेना शिंदे गुट की नवनिर्वाचित पार्षद मानसी कालोखे के पति मंगेश कालोखे की बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगेश कालोखे सुबह 7 बजे खोपोली के साईंबाबा नगर इलाके में स्थित स्कूल में अपनी बेटियों को छोडक़र घर लौट रहे थे। इसी समय एक अनजान गाड़ी से चार से पांच लोग उतरे। उन्होंने अपनी गाड़ी मंगेश की गाड़ी के सामने खड़ी कर दी और उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया, इससे मंगेश की मौके पर ही मौत हो गई। इस हमले के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मंगेश कालोखे का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए दिया है । इस घटना की छानबीन सीसीटीवी के सहयोग से की जा रही है। हालांकि इस हत्या के पीछे राजनीतिक विवाद होने का शक व्यक्त किया जा रहा है।

भिवंडी निज़ामपुर मनपा में मनाया गया वीर बाल दिवस

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश तथा भिवंडी निज़ामपुर मनपा के प्रशासक व आयुक्त अनमोल सागर के निर्देशानुसार 26 दिसंबर 2025 को वीर बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मनपा मुख्यालय के भूतल पर अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके की अध्यक्षता में सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के पुत्र साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। वर्ष 2022 से हर साल 26 दिसंबर को उनके अद्वितीय बलिदान की स्मृति में वीर बाल दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम में आयुक्त (चुनाव) नितिन पाटिल, चुनाव विभाग प्रमुख अजीत महाडीक, फैजल तातली, स्नेहल पुण्यार्थी, नीलेश संखे, राजेश गोसावी सहित मनपा के अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

भिवंडी मनपा चुनाव में पहली बार आम आदमी पार्टी की एंट्री

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

आगामी भिवंडी महानगरपालिका चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) पहली बार चुनाव मैदान में उतर रही है। पार्टी ने किसी भी दल के साथ गठबंधन न करते हुए सभी 90 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। यह जानकारी भिवंडी शहर अध्यक्ष मसीह इकबाल और महासचिव हनुमंत जाधव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि पार्टी शिक्षित, चरित्रवान, सक्षम और स्थानीय मुद्दों की समझ रखने वाले उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है, जिनकी छवि साफ-सुथरी हो।

अकेले लड़ेगी चुनाव, सभी 90 सीटों पर उतारेगी उम्मीदवार

स्थानीय मुद्दों पर चुनावी फोकस

पार्टी नेताओं के अनुसार, अब तक 30 सीटों के लिए उम्मीदवारों की प्रारंभिक स्क्रीनिंग पूरी हो चुकी है और बाकी सीटों के लिए स्थानीय कार्यकर्ताओं से बातचीत जारी है। आम आदमी पार्टी भिवंडी में जर्जर और अधूरी सड़कों, अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं, पानी की कमी, स्वच्छता की बदहाल स्थिति और मनपा प्रशासन में भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को चुनावी एजेंडा बनाएगी। पार्टी का दावा है कि वह दिल्ली और पंजाब में लागू शिक्षा, स्वास्थ्य और पारदर्शी प्रशासन मॉडल के जरिए भिवंडी के नागरिकों को एक नया, वैकल्पिक और विश्वसनीय राजनीतिक विकल्प देने का प्रयास करेगी, जिससे इस बार मनपा चुनाव का राजनीतिक माहौल और अधिक रोचक होने की उम्मीद है।

मोटापे के कारण बांझपन की समस्या गंभीर

प्रोजेनेसिस में उचित मार्गदर्शन उपलब्ध : डॉ. मलगांवकर

नाशिक: बदलती जीवनशैली के कारण नागरिकों में बढ़ता मोटापा केवल मधुमेह या हृदय रोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बांझपन की समस्या का भी एक बड़ा कारण बनता जा रहा है। इस गंभीर समस्या पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों को संतान प्राप्ति के लिए प्रोजेनेसिस में उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है। इसके चलते हम कई सफलता की कहानियाँ रचने में सफल हुए हैं, ऐसा मत प्रोजेनेसिस फर्टिलिटी सेंटर के चीफ फर्टिलिटी कंसल्टेंट डॉ. नरहरी मलगांवकर ने व्यक्त किया।

अधिक जानकारी देते हुए डॉ. नरहरी मलगांवकर ने कहा कि मोटापा महिलाओं और पुरुषों—दोनों के प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इस संबंध में अधिक जागरूकता आवश्यक है। मोटापे का असर ओव्यूलेशन और शुक्राणुओं की गुणवत्ता पर पड़ता है। मोटापे के कारण महिलाओं में ओव्यूलेशन की प्रक्रिया अनियमित हो जाती है, जबकि पुरुषों में शुक्राणुओं की गुणवत्ता और संख्या में उल्लेखनीय कमी आती है।

एक अन्य महत्वपूर्ण बात यह है कि हार्मोनल असंतुलन बढ़ जाता है। मोटापा इंसुलिन रेज़िस्टेंस, थायरॉइड की समस्याएँ और महिलाओं में पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) को बढ़ाता है। ये सभी कारक प्रजनन स्वास्थ्य के लिए गंभीर बाधाएँ उत्पन्न करते हैं। इसके साथ ही गर्भधारण के दौरान जोखिम और जटिलताएँ भी बढ़ जाती हैं। मोटापे से ग्रस्त दंपतियों को गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के समय कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनमें गर्भपात, गर्भावस्था में मधुमेह और प्री-एक्लैम्पसिया जैसी गंभीर समस्याएँ शामिल हैं।

वजन नियंत्रण के लिए आहार और व्यायाम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। बांझपन के निवारण के लिए पहला कदम संतुलित आहार और नियमित व्यायाम होना चाहिए। वजन नियंत्रित करने से ओव्यूलेशन नियमित होता है और शुक्राणुओं की गुणवत्ता में सुधार होता है, जिससे गर्भधारण की संभावना बढ़ती है। इसी तरह मोटापे से ग्रस्त दंपतियों के लिए फर्टिलिटी उपचार में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव करने पड़ते हैं, जिससे सकारात्मक परिणाम दिखाई देते हैं। अत्यधिक मोटापे वाले दंपतियों में आईवीएफ या अन्य फर्टिलिटी उपचारों की प्रतिक्रिया कम हो सकती है। इसलिए उपचार से पहले या उपचार के दौरान वजन कम करना आवश्यक हो जाता है। मोटापे से ग्रस्त दंपतियों के लिए उपचार प्रोटोकॉल में भी बदलाव करना पड़ता है।

प्रोजेनेसिस में क्लिनिकल काउंसलिंग और आईवीएफ की सफलता

डॉ. मलगांवकर के अनुसार, प्रोजेनेसिस में मोटापे से ग्रस्त दंपतियों के लिए विशेष क्लिनिकल काउंसलिंग उपलब्ध है, जिसमें जीवनशैली में बदलावों पर मार्गदर्शन दिया जाता है। उचित वजन नियंत्रण से प्रोजेनेसिस में आईवीएफ की सफलता दर में सुधार होता है—ऐसा उनका अनुभव है। मोटापा और बांझपन एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, लेकिन आधुनिक तकनीक और आवश्यक सुधारों के माध्यम से इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है—यह संदेश डॉ. मलगांवकर ने दिया।

लंबी कानूनी लड़ाई के बाद न्याय | वन विकास निगम के कर्मचारियों को नौकरी में स्थायी करने का निर्देश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने नासिक के वन विकास निगम में कार्यरत दर्जनों कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए उन्हें नौकरी में स्थायी करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने औद्योगिक न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखते हुए निगम की याचिका खारिज कर दी और आदेश दिया कि कर्मचारियों को सभी वैधानिक लाभ आठ सप्ताह के भीतर प्रदान किए जाएं। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि कर्मचारियों ने वर्षों तक कष्ट झेला है और निगम के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति जी. एस. कुलकर्णी और न्यायमूर्ति आरती साठे की खंडपीठ ने कहा कि 31 जनवरी 1996 के सरकारी संकल्प के अनुसार, जिन कर्मचारियों ने लगातार पांच वर्षों में 240 दिन की सेवा पूरी कर ली थी, उन्हें स्थायी किए जाने का लाभ मिलना चाहिए था। समान स्थिति में होने के बावजूद इन कर्मचारियों को लाभ नहीं दिया गया, जबकि उनके पक्ष में कोई नीतिगत निर्णय भी नहीं लिया गया। अदालत ने निगम और राज्य सरकार के रुख पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि पूर्व में समान स्थिति वाले कर्मचारियों के मामलों में अलग रुख अपनाया गया था।

क्या था पूरा मामला

वन विकास निगम ने वर्ष 1977 से 1992 के बीच 25 कर्मचारियों को चौकीदार के रूप में नियुक्त किया था। ये कर्मचारी वर्षों तक दैनिक वेतन पर कार्यरत रहे और हर साल 240 से अधिक दिन की सेवा पूरी करते रहे। इसके बावजूद निगम ने उनकी सेवाएं नियमित नहीं कीं। स्थायीकरण से इनकार के बाद कर्मचारियों ने औद्योगिक न्यायालय का रुख किया, जहां से उनके पक्ष में फैसला आया। इसके बाद हाई कोर्ट की एकल पीठ ने भी औद्योगिक न्यायालय के निर्णय को सही ठहराया। अंततः डबल बेंच ने निगम की अपील खारिज कर दी, जिससे वर्षों से संघर्ष कर रहे कर्मचारियों को स्थायी नौकरी और उससे जुड़े सभी लाभों का रास्ता साफ हो गया।

मनसे नेता प्रकाश महाजन ने थामा शिवसेना का हाथ

उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में जताया विश्वास

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

हिंदुत्व की विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा फेरबदल करते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के वरिष्ठ नेता प्रकाश महाजन आज आधिकारिक रूप से शिवसेना में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर महाजन ने कहा कि उन्होंने हिंदुत्व की विचारधारा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और राज्य के विकास के लिए मुख्यमंत्री के साथ मिलकर काम करने की इच्छा के कारण यह निर्णय लिया है। उनके इस कदम से आगामी चुनावों से पहले शिवसेना को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व पर खुली प्रशंसा

शिवसेना में शामिल होने के बाद प्रकाश महाजन ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व की जमकर सराहना की। उन्होंने एक दिलचस्प उदाहरण देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में अब तक कई मुख्यमंत्री ऐसे हुए जो बिना किसी परीक्षा के ही पहले नंबर पर आ गए, लेकिन एकनाथ शिंदे ने कड़ी परीक्षा दी और उसे उत्तीर्ण कर पहले स्थान पर आए।

जनसेवा के कार्यों का भावुक उल्लेख

वैद्यकीय सहायता निधि और जनसेवा का उल्लेख महाजन ने मुख्यमंत्री के जनहितैषी कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि 'मुख्यमंत्री वैद्यकीय सहायता निधि' से लाभान्वित होकर स्वस्थ हुए मरीजों ने शिंदे को इतने धन्यवाद पत्र भेजे हैं, जिनका वजन लगभग 100 किलो है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि महाराष्ट्र के इतिहास में आज तक किसी भी मुख्यमंत्री के लिए ऐसा जन-अनुराग नहीं देखा गया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि शिंदे ने इन कार्यों का कभी राजनीतिक प्रचार नहीं किया, जो उनके बड़प्पन और निस्वार्थ सेवा भाव को दर्शाता है।

शिवसेना में स्वागत, संगठन को नई ताकत

पार्टी में स्वागत और संगठन की मजबूती मुख्यमंत्री और शिवसेना मुख्य नेता एकनाथ शिंदे ने प्रकाश महाजन का पार्टी में गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि महाजन जैसे अनुभवी नेता के आने से शिवसेना के संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। शिंदे ने विश्वास व्यक्त किया कि महाजन के लंबे राजनीतिक अनुभव का लाभ पार्टी और राज्य के लोगों को मिलेगा। इस दौरान शिंदे ने प्रकाश महाजन के उन दावों का भी समर्थन किया जिसमें उन्होंने कहा था कि शिंदे सच्चे अर्थों में हिंदुत्व और विकास की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं।

अब आदित्य और अमित के हाथ होगी प्रचार की कमान

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे बंधुओं के गठबंधन के बाद अब चुनावी प्रचार को लेकर अगला बड़ा कदम सामने आता दिख रहा है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बाद अब दोनों के बेटों आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे को संयुक्त रूप से प्रचार की कमान सौंपे जाने की चर्चा तेज है। सूत्रों के मुताबिक, आगामी बीएमसी चुनाव को देखते हुए ठाकरे परिवार नई पीढ़ी को आगे लाने की रणनीति पर काम कर रहा है।

युवाओं और शहरी मुद्दों पर फोकस

आदित्य और अमित ठाकरे दोनों को ही युवा और शहरी राजनीति का मजबूत चेहरा माना जाता है। माना जा रहा है कि संयुक्त रैलियों में शहरी विकास, युवाओं से जुड़े मुद्दों और मराठी एजेंडे को प्रमुखता दी जाएगी।

राजनीतिक हलकों में बढ़ी हलचल

राज और उद्धव ठाकरे की बढ़ती नजदीकी के बाद आदित्य और अमित का साथ आना महाराष्ट्र की राजनीति में अहम संकेत माना जा रहा है। विपक्ष इसे चुनावी मजबूरी बता रहा है, जबकि समर्थकों का मानना है कि यह मराठी अस्मिता और ठाकरे परिवार की सामूहिक ताकत का प्रदर्शन है।

चुनावी समीकरणों पर संभावित असर

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, अगर आदित्य और अमित ठाकरे की जोड़ी सक्रिय रूप से मैदान में उतरती है, तो इसका सीधा असर मुंबई और आसपास के शहरी इलाकों में दिख सकता है। खासतौर पर युवा वोटर्स और मराठी मतदाताओं के बीच यह गठबंधन बीएमसी चुनाव के समीकरणों को नई दिशा दे सकता है।

कांग्रेस में शामिल हुए शरद गुट के नेता प्रशांत जगताप

एनसीपी के साथ गठबंधन का कर रहे थे विरोध

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनावों से पहले पुणे की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पुणे के पूर्व महापौर और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के शहर अध्यक्ष प्रशांत जगताप ने शुक्रवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया। कांग्रेस ने कहा कि जगताप के शामिल होने से 15 जनवरी को होने वाले महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में पार्टी और मजबूत होगी। बता दें कि इस कार्यक्रम में कांग्रेस ने हाल ही में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में जीत दर्ज करने वाले 41 नगर अध्यक्षों का सम्मान भी किया। पार्टी के अनुसार, कांग्रेस ने राज्यभर में 1,006 पार्षद सीटें जीतीं और 100 नगर परिषदों में दूसरा स्थान हासिल किया।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष की मौजूदगी में ली पार्टी की सदस्यता

प्रशांत जगताप ने मुंबई स्थित कांग्रेस मुख्यालय तिलक भवन में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ली। उनके साथ पुणे से एनसीपी (एसपी) के कई पदाधिकारी भी कांग्रेस में शामिल हुए। इस दौरान जगताप का स्वागत करते हुए हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि कांग्रेस छत्रपति शिवाजी महाराज, राजर्षि शाहू महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले और डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारधारा की विरासत को आगे बढ़ाने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता और पैसे की राजनीति नहीं, बल्कि विचारधारा की लड़ाई लड़ती है।

कांग्रेस नेताओं ने राज्य और केंद्र सरकार पर साधा निशाना

कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि जगताप ने 'सांप्रदायिक ताकतों' से समझौता करने से इनकार किया और अपनी विचारधारा से समझौता किए बिना कांग्रेस को चुना। उन्होंने दावा किया कि अगर ऐसे नेता कांग्रेस के साथ खड़े रहे, तो 2029 में सत्ता कांग्रेस की होगी। पूर्व मंत्री नसीम खान ने कहा कि देश आज लोकतंत्र, संविधान, किसानों, महिलाओं, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जातिवाद और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है और भाजपा पर लोगों को गुमराह करने तथा पार्टियां तोड़ने की राजनीति करने का आरोप लगाया।

न्यूज़ ब्रीफ

31 दिसंबर की रात घर लौटना हुआ आसान, 4 विशेष ट्रेनें चलेंगी

मुंबई। मुंबई में नववर्ष 2026 के स्वागत के मद्देनजर रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष इंतज़ाम किए हैं। जैसे-जैसे शहर में 31 दिसंबर की रात जश्न और भीड़ के लिए तैयार हो रहा है, रेलवे ने लोकल ट्रेन यात्रियों की भीड़ संभालने के लिए 12 विशेष ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। पश्चिम रेलवे की ओर से चर्चगेट से विरार के बीच कुल 8 विशेष लोकल ट्रेनें चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें मध्यरात्रि के बाद से लेकर सुबह तक दोनों दिशाओं में चलेंगी। इसका उद्देश्य है कि नए साल का जश्न मनाने वाले यात्रियों को घर लौटने में कोई परेशानी न हो। मध्य रेलवे ने भीड़ को देखते हुए सीएसएमटी से कल्याण और सीएसएमटी से पनवेल (हार्बर लाइन) के बीच 4 विशेष लोकल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें भी 31 दिसंबर की देर रात से 1 जनवरी की सुबह तक सभी स्टेशनों पर रुकते हुए संचालित होंगी।

दादर एवं भुसावल के बीच स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए दादर एवं भुसावल के बीच विशेष किराये पर चल रही 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09049 दादर – भुसावल स्पेशल को 27 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09050 भुसावल – दादर विशेष को भी 27 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09051 दादर – भुसावल विशेष को 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09052 भुसावल – दादर विशेष को भी 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

शिवसेना यूबीटी का हिंदुत्व सिर्फ दिखावा : नवनाथ बन

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

महाराष्ट्र भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नवनाथ बन ने शिवसेना (यूबीटी) पर निशाना साधते हुए कहा कि उसका हिंदुत्व केवल दिखावटी है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवसेना यूबीटी के नेता चुनावी फायदे के लिए हिंदुत्व की बात करते हैं, जबकि भाजपा ने हमेशा विचार और कर्म दोनों स्तर पर हिंदुत्व का पालन किया है। बन ने शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ताओं से हिंदुत्व पर बयानबाजी बंद करने की नसीहत दी।

बालासाहब के हिंदुत्व से भटका यूबीटी गुट

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में नवनाथ बन ने कहा कि हिंदू हृदय सम्राट बालासाहब ठाकरे प्रखर हिंदुत्व के समर्थक थे, लेकिन उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री कार्यकाल में अजान और नमाज पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि मराठी भवन के पास उर्दू भवन का निर्माण और राशिद मामा को पार्टी में शामिल करना वोट बैंक की राजनीति का उदाहरण है। बन के मुताबिक, मुंबई नगर निगम चुनाव नजदीक आने के कारण शिवसेना यूबीटी अब हिंदुत्व का दिखावा कर रही है, जिसे जनता भली-भांति समझती है।

चुनावी नतीजे और जनता का भरोसा

भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि नगरपालिका और नगर पंचायत चुनावों में शिवसेना यूबीटी को करारी हार का सामना करना पड़ा है, जबकि भाजपा और महायुति ने सर्वाधिक सीटें जीती हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा को राज्य की 14 करोड़ जनता का आशीर्वाद प्राप्त है। बन के अनुसार, मुंबई का विकास केवल भाजपा और महायुति सरकार ही कर सकती है, यह बात जनता अच्छी तरह जानती है।

भाजपा के हिंदुत्व का रिकॉर्ड देश के सामने

नवनाथ बन ने कहा कि भाजपा का हिंदुत्व पूरे देश ने देखा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हिंदुत्व के साथ विकास की नीति को आगे बढ़ाया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राम मंदिर निर्माण और धारा 370 को हटाने जैसे फैसलों से भाजपा की वैचारिक स्पष्टता सामने आई है। उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि हिंदुत्व की वास्तविक रक्षा कौन कर रहा है।

बांग्लादेश हिंसा को लेकर राकां नेता ने केंद्र सरकार को घेरा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में आयोजित प्रेस वार्ता में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिराज मेहदी ने बांग्लादेश में जारी हिंसा को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी चिंताजनक है।

'गंभीर मुद्दे पर सरकार मौन'

मेहदी ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश इस समय हिंसा की आग में जल रहा है, लेकिन केंद्र सरकार, भाजपा और आरएसएस इस गंभीर मुद्दे पर खामोश हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने बांग्लादेश को पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी, लेकिन आज वहां की सरकार भारत को आंखें दिखा रही है, जो स्वीकार्य नहीं है।

सख्त कदम उठाने की मांग

राकांपा नेता ने कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर ठोस और सख्त कदम उठाने चाहिए। यदि सरकार खुद कोई निर्णय नहीं ले पा रही है, तो उसे सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा करनी चाहिए, ताकि देश एकजुट होकर प्रभावी नीति बना सके।

धार्मिक कट्टरता पर चिंता

मेहदी ने बांग्लादेश में बढ़ती धार्मिक और सांप्रदायिक कट्टरता पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में यह कट्टरता और भड़क गई है, जो भविष्य में बांग्लादेश को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

आईआरसीटीसी की 'टेम्पल ट्रेल्स ऑफ दक्षिण' यात्रा

मुंबई। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष आध्यात्मिक पर्यटन पैकेज "टेम्पल ट्रेल्स ऑफ दक्षिण" की घोषणा की है। यह ट्रेन 18 फरवरी 2026 को मनमाड स्टेशन से रवाना होगी, जिसमें यात्रियों के लिए नासिक रोड, कल्याण, लोणावला, पुणे, सातारा और मिरज जैसे प्रमुख स्टेशनों से चढ़ने और उतरने की विशेष सुविधा दी गई है। आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र के समूह महाप्रबंधक श्री गौरव झा के अनुसार, यह 12 रातों और 13 दिनों की विस्तृत यात्रा मुरुडेश्वर, गुरुवायूर, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, तिरुवनंतपुरम और महाबलीपुरम जैसे दक्षिण भारत के अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन कराएगी। यह यात्रा एक 'ऑल-इन्क्लूसिव' पैकेज है, जिसे यात्रियों की सुविधा और बजट के अनुसार तीन श्रेणियों—इकोनॉमी स्लीपर (23,370), स्टैंडर्ड 3एसी (36,990) और कम्फर्ट 2एसी (48,760) में विभाजित किया गया है। पैकेज की लागत में रेल यात्रा, शाकाहारी भोजन, होटलों में ठहराव, स्थानीय परिवहन, यात्रा बीमा और समर्पित टूर मैनेजर्स की सेवाएँ शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे
विद्युत (पावर) कार्य

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/पावर/मुंबई सेंट्रल, मुंबई ई- निविदा सूचना संख्या: EL-81-932-WA-63,दिनांक: 23.12.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम एवं स्थान: मुंबई सेंट्रल मंडल के अंतर्गत एडीईएन-दहानू रोड के अधिकार क्षेत्र में पालघर, उमरगाम रोड एवं बोईसर में प्रत्येक 50 KLD क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) की व्यवस्था से संबंधित विद्युत (पावर) कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** 71,55,522/- ईएमडी: 1,43,100/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 22.01.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 22.01.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 0934

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल
ई-निविदा नोटिस

खुली निविदा संख्या
1. PR-C-SCP-25-26-758
कार्य का विवरण: परेल वर्कशॉप, मुंबई में फिएट बोगियों की स्ट्रिपिंग, सफाई और पैंटिंग। **अनुमानित लागत:** रु. 26,44,354.56 **निविदा प्रपत्र का शुल्क:** रु. कुछ नहीं। **ईएमडी:** रु. 52,900/- **समापन अवधि:** 18 महिने। उपरोक्त ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं अवधि **दि. 02.01.2026 को 17.00 बजे तक** है। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की आधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
मु.का.प्र., परेल 768

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे
सुधार एवं उन्नयन कार्य

वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण), मुंबई सेंट्रल कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना सं. **क्रमांक 1- BCT/25-26/288,दिनांक: 23.12.2025 आमंत्रित करते हैं। स्थान और कार्य का नाम:**चर्चगेट – विरार एडीईएन (टी/एन), बोरीवली के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत गोरेगांव, कांदिवली, वसई रोड एवं विरार यार्ड का सुधार एवं उन्नयन कार्य कार्य की **अनुमानित लागत:** 1,15,70,632.06 **जमानत धनराशि (EMD):** 2,07,900/- **क्रमांक 2 ई-निविदा सूचना सं.: BCT/25-26/289 दिनांक: 23.12.2025 स्थान और कार्य का नाम:**चर्चगेट – विरार एडीईएन (टी/एस), लोअर परेल अनुभाग के अंतर्गत चर्चगेट, अंधेरी, माहिम-बांद्रा एवं दादर यार्ड का सुधार एवं उन्नयन कार्य **कार्य की अनुमानित लागत:** 1,52,35,108.10 **जमानत धनराशि (EMD):** 2,26,200/- महत्वपूर्ण तिथियाँ (दोनों निविदाओं हेतु) निविदा जमा करने की **अंतिम तिथि एवं समय:** 20.01.2026 को 15:00 **बजे तक निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 20.01.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी हेतु कृपया www.ireps.gov.in वेबसाइट देखें।
0938

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे विशेष ट्रेनों के फेरे बढ़ाएगा

ट्रेन नंबर	प्रारंभ स्टेशन और गंतव्य स्टेशन	चलने के दिन	विस्तारित दिनांक
09049	दादर -भुसावल	शुक्रवार	27.02.2026
09050	भुसावल-दादर	शुक्रवार	27.02.2026
09051	दादर-भुसावल	सोमवार, बुधवार और शनिवार	28.02.2026
09052	भुसावल-दादर	सोमवार, बुधवार और शनिवार	28.02.2026

टाइमिंग, हॉल्ट और कंपोजिशन के बारे में डिटेल्ड जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नंबर 09049 और 09051 के एक्सटेंडेड ट्रिप की बुकिंग 28.12.2025 से सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ऊपर बताई गई ट्रेनें स्पेशल ट्रेन के तौर पर स्पेशल किराए पर चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

कबूतरों को दाना खिलाने पर 5 हजार रुपए का जुर्माना

मुंबई। बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दादर निवासी नितिन शेठ को कबूतरों को दाना खिलाने के लिए 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। अदालत ने इस कार्य को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बताया और कहा कि इससे बीमारियां फैलने का जोखिम रहता है। यह मामला मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा शहर में कबूतरों को दाना खिलाने पर प्रतिबंध लगाने के महीनों बाद सामने आया। शेठ को दादर कबूतरखाना में पकड़ा गया था और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश वी. यू. मिसाल ने नितिन शेठ को दोषी ठहराया। उन्होंने स्वेच्छा से आरोप स्वीकार किए और अदालत से नरमी की गुहार लगाई। न्यायाधीश ने उन्हें 5 हजार रुपए का जुर्माना दिया। अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 223 (बी) के तहत मानव जीवन और स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करने और सरकारी आदेश का उल्लंघन करने का आरोप भी लगाया। इसके अलावा, बीएनएस की धारा 271 के तहत लापरवाही से कार्य करने और बीमारियों के संक्रमण का जोखिम पैदा करने का भी आरोप शामिल था।

बीएमसी और हाई कोर्ट की भूमिका

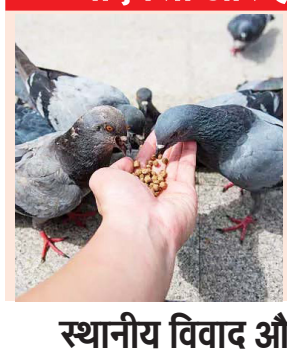

इससे पहले बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस मुद्दे को सार्वजनिक स्वास्थ्य और सभी उम्र के लोगों के लिए गंभीर खतरे वाला माना था। अदालत ने बीएमसी को पुराने हेरिटेज कबूतरखाने गिराने से रोकते हुए पक्षियों को दाना खिलाने की अनुमति देने से मना किया था। यह कदम शहर में स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में उठाया गया।

स्थानीय विवाद और प्रशासनिक कार्रवाई

दादर इलाके में प्रदर्शनकारियों ने कबूतरखाना से तिरपाल हटाया था, लेकिन बीएमसी ने इसे फिर से प्लास्टिक शीट से ढक दिया। महाराष्ट्र के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने स्पष्ट किया कि विरोध प्रदर्शन में जैन समुदाय का कोई हाथ नहीं था और कबूतरों को दाना खिलाने के मामले में कोई धार्मिक पहलू नहीं था। यह विवाद स्थानीय प्रशासन और नागरिक संगठनों की सतर्कता को भी दर्शाता है।

पश्चिम रेलवे
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008

कार्य का नाम : मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर (Non-Fare Revenue) माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन।

नीलामी कैटलॉग संख्या	नीलामी प्रारंभ तिथि एवं समय (सभी लॉट्स के लिए
MMCT-ADVT-25-65	13-01-2026 को 15:00 बजे

क्र. सं.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-Int-S1-EMU39RM-462 25-1 (Advertising-Train Interior)	अंदर रूट मैप के ज़रिए विज्ञापन दिखाना 1) 39 नॉन-एसी EMU रेक, कुल 471 कोच जिसमें 38 EMU रेक हैं, हर एक में 12 कोच हैं (कुल 456 कोच) और 1 EMU रेक है, हर एक में 15 कोच हैं (कुल 15 कोच) - जो तीन साल के लिए मुंबई डिवीजन, वेस्टर्न रेलवे में कुल 233.7 sq. mtr एरिया को कवर करते हैं।	1096	13-01-26 15:30:00
2	ADVT-Int-S1-EMU38RM-460-25-1 (Advertising-Train Interior)	38 नॉन-एसी EMU रेक के अंदर रूट मैप के ज़रिए विज्ञापन दिखाना, कुल 462 कोच - जिसमें शामिल हैं 36 EMU रेक, हर एक में 12 कोच (कुल 432 कोच) और 2 EMU रेक, हर एक में 15 कोच (कुल 30 कोच) जो तीन साल के लिए मुंबई डिवीजन, वेस्टर्न रेलवे में कुल 229.15 sq. mtr एरिया को कवर करेंगे। मुंबई डिवीजन, पश्चिम रेलवे	1096	13-01-26 15:40:00
3	ADVT-EFF-176202-2-25-2 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	गुजरात एक्सप्रेस (22953/54) और उसके लिंक रेक (19033/34 और 19035/36) के कोच के बाहरी हिस्से (पूरे हिस्से) या सतह पर विज्ञापन दिखाना मुंबई डिवीजन, वेस्टर्न रेलवे के 05 साल के समय के लिए	1820	13-01-26 15:50:00
4	ADVT-EBW-S1-16EMUExt-25-1 (Advertising-Train Exterior (Below Window))	16 EMU रेक, कुल 204 कोच के बाहरी साइड वॉल सरफेस (खिड़की के नीचे) पर विनाइल रैपिंग के ज़रिए विज्ञापन दिखाना - जिसमें 12 EMU रेक हर एक में 12 कोच (कुल 144 कोच) और 4 EMU रेक हर एक में 15 कोच (कुल 60 कोच) शामिल हैं - जो मुंबई डिवीजन, वेस्टर्न रेलवे में कुल 4,270.75 sq. mtr एरिया को कवर करते हैं, पांच साल के समय के लिए।	1826	13-01-26 16:00:00
5	ADVT-EBW-S1-17EMUExt-25-1 (Advertising-Train Exterior (Below Window))	17 EMU रेक की बाहरी साइड की दीवार की सतह (खिड़की के नीचे) पर विनाइल रैपिंग के ज़रिए विज्ञापन दिखाना, कुल 210 कोच - जिसमें 15 1 EMU रेक हैं जिनमें हर एक में 12 कोच हैं (कुल 180 कोच) और 2 EMU रेक हैं जिनमें हर एक में 15 कोच हैं (कुल 30 कोच) - जो मुंबई डिवीजन, वेस्टर्न रेलवे में कुल 4 392.92 sq. mtr एरिया को कवर करते हैं, पाँच साल के लिए।	1826	13-01-26 16:10:00
6	ADVT-BCT-MIRA-OH-448-25-1 (Advertising-Out of Home)	251 मीरा रोड और भायंदर में मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर (मरम्मत/ मज़बूती सहित) पर विज्ञापन दिखाने के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार 3 साल के लिए।	1096	13-01-26 16:20:00

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नंबर: 022-6764 4212ई-मेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com
नोट: इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध e-Auction Leasing Module देखें। सभी लॉट-वार विवरण संबंधित कैटलॉग में वहाँ उपलब्ध हैं।
0935

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

संपादकीय

सरसों का संकट

एक समय था जब पंजाब के ग्रामीण अंचलों में खिले हुए सरसों के खेत मौसमी बयार में बदलाव के प्रतीक हुआ करते थे। तमाम सांस्कृतिक प्रतिमानों में पीले सरसों के खेतों को मौसम के गौरव के रूप में चित्रित किया जाता रहा है। लेकिन वक्त की विडंबना है कि यह अब यह सुनहरी फसल सिमटती नजर आ रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज देश में हम खाद्य तेलों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि भारत लगातार आयातित खाद्य तेलों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है। निश्चय ही यह स्थिति व्यवस्था के कई विरोधाभासों को भी उजागर कर रही है। यह तथ्य चौंकाता है कि पंजाब में सरसों के उत्पादन में इसलिए गिरावट नहीं आ रही है कि फसल उत्पादन क्षमता में किसी तरह की कोई कमी आई है। बल्कि यह स्थिति इसलिए है कि सरकारों की नीतियां प्रोत्साहन देने वाली साबित नहीं हो रही हैं। वहीं बाजार के रुझान इसे आर्थिक रूप से किसानों के हितों के प्रतिकूल बना रहे हैं। कहने को तो अकसर दलील दी जाती है कि पंजाब के किसानी से जुड़े संकटों का समाधान फसलों के विविधीकरण में निहित है। लेकिन विडंबना यह है कि विविधीकरण के दावों के बावजूद, सरसों के उत्पादक किसान प्रोत्साहन न मिल पाने से निराश हैं। दरअसल, किसान कम और अनिश्चित मुनाफे के चलते सरसों की फसल उगाने से गुरेज करता है। उसके सामने बड़ी चुनौती यह भी है कि सरसों की फसल की सरकारी खरीद सीमित मात्रा में होती है। जिसके चलते किसानों को खून-पसीने की उपज को बेचने के लिये व्यापारियों के रहमोकरम पर निर्भर रहना पड़ता है। वे अपने मोटे मुनाफे के लिये किसान के हितों की अनदेखी करने से नहीं चूकते। यही वजह है कि गेहूं और धान के विपरीत, जिनकी खरीद सुनिश्चित है और उनके लिये मजबूत विपणन प्रणाली मौजूद है, सरसों की फसल किसानों को बाजार की अस्थिरता के प्रति संवेदनशील बना देती है। फलतः किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। दरअसल, इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि पंजाब आज अपनी खाद्य तेल आवश्यकताओं का एक मामूली हिस्सा ही स्थानीय उत्पादन से पूरा करता है। इससे हमारी महंगे आयात पर निर्भरता और भी बढ़ जाती है। तिलहन की खेती को बढ़ावा देना अक्सर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सही मायनों में सरकारी तंत्र द्वारा सरसों की उपज की खरीद में सहायता और न्यायसंगत मूल्य दिलाने के वायदे खोखले साबित होने के कारण सरसों की पैदावार का रकबा बढ़ता नहीं है। जिस दिन किसानों को तंत्र की नीतियों पर भरोसा पैदा हो जाएगा, उस दिन निश्चय ही किसान प्रोत्साहन के चलते तर्कसंगत प्रतिक्रिया देंगे। निर्विवाद रूप से पंजाब की धरती में सरसों उत्पादन की स्थितियों से जुड़ी संभावनाएं पर्याप्त हैं। यकीनी तौर पर यह धान की तुलना में कम पानी की खपत करती है। साथ ही भूजल संकट को कम करने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण से जुड़ी रणनीतियों में स्वाभाविक रूप से फिट बैठती है। लेकिन हमें इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि पंजाब में विविधीकरण के लक्ष्य केवल नैतिक प्रोत्साहन से हासिल नहीं किए जा सकते। निश्चित रूप से इसके लिए अनिवार्य शर्त है कि बाजार की संरचना में जरूरत के अनुरूप बदलाव प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं। सही मायनों में सरसों के लिये एमएसपी समर्थित खरीद और स्थानीय प्रसंस्करण, भंडारण और मूल्य श्रृंखलाओं में निवेश किसानों को सरसों की खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है। यही प्रयास पंजाब के खेतों में पीली आभा फिर से पैदा करने की दिशा में कारगर साबित होंगे। सही मायनों में पंजाब में सरसों की खेती की कहानी नीतिगत विसंगतियों को ही उजागर करती है। दरअसल, संस्थागत स्तर पर समर्थन कुछ चुनिंदा फसलों को दिया जाता रहा है। जब तक यह असंतुलन दूर नहीं किया जाता, सरसों एक खोये हुए अवसर का प्रतीक बनकर रह जाएगी। इस फसल के पुनरुद्धार के लिये महज नारों की ही नहीं, बल्कि उसी गंभीरता की आवश्यकता है, जो गेहूं और धान की फसलों को लेकर लंबे समय से बरती जाती रही है।

वीर बाल दिवस : आत्मविश्वासी युवा

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार-स्तम्भकार

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार और वीर बाल दिवस का यह अवसर केवल सम्मान का कार्यक्रम नहीं था, बल्कि भारत के भविष्य की स्पष्ट झलक भी था। जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से चुने गए 20 प्रतिभाशाली बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं इन बच्चों से संवाद किया, तो यह संदेश पूरे देश में गया कि आज का भारत अपने युवाओं और बच्चों को केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति मानता है। यह कार्यक्रम उस सोच का प्रतीक बना, जिसमें प्रतिभा, साहस, सेवा और समर्पण को राष्ट्र निर्माण की बुनियाद माना गया। प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों को संबोधित करते हुए जिस विश्वास के साथ कहा कि जेन ज़ी और जेन अल्फा ही विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करेंगे, वह केवल भाषण नहीं बल्कि बीते एक दशक की नीतियों और प्रयासों का आत्मविश्वास था। आज भारत स्टार्टअप, नवाचार, डिजिटल तकनीक, खेल, विज्ञान, सामाजिक सेवा और संस्कृति के क्षेत्र में जिस गति से आगे बढ़ रहा है, उसमें युवाओं की भूमिका निर्णायक बन चुकी है। प्रधानमंत्री ने बच्चों को बड़े सपने देखने, निरंतर मेहनत करने और आत्मविश्वास को कभी कमजोर न पड़ने देने की प्रेरणा देकर यह स्पष्ट किया कि सरकार का भरोसा पूरी तरह युवा पीढ़ी पर है। इस अवसर पर मौजूद विविध पृष्ठभूमि से आए बच्चे भारत की बहुआयामी प्रतिभा का जीवंत उदाहरण थे। 14 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की उपस्थिति ने खेल जगत में उभरती नई ऊर्जा को रेखांकित किया, वहीं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चाय और नाश्ता देकर मानवता और सेवा का उदाहरण पेश करने वाले फिरोजपुर के श्रवण सिंह ने यह साबित किया कि राष्ट्र सेवा के लिए उम्र या साधनों की सीमा नहीं होती। तमिलनाडु की ब्योमा और बिहार के कमलेश कुमार को मिला सम्मान इस बात का प्रमाण है कि भारत का हर कोना प्रतिभा से भरा हुआ है और सरकार उसे खोजने और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और पहले की तुलना में अवसर कहीं अधिक हैं। यह कथन केवल आंकड़ों पर आधारित नहीं, बल्कि उस बदले हुए माहौल का प्रतिबिंब है जिसमें युवा अब सपने देखने से डरते नहीं हैं। कभी यह धारणा बना दी गई थी कि कुछ अच्छा हो ही नहीं सकता, लेकिन वर्तमान सरकार ने उस मानसिकता को बदलने का काम किया है। आज जब कोई युवा आगे बढ़ता है, तो उसके साथ 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक शक्ति खड़ी होती है। सीखने के संसाधन, डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्टार्टअप इकोसिस्टम और वैश्विक अवसर युवाओं को नई उड़ान दे रहे हैं। वीर बाल दिवस का भावनात्मक और ऐतिहासिक महत्व इस कार्यक्रम को और भी गहन बना देता है। गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों, अजित सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह की शहादत को स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि छोटी उम्र में भी किस तरह वे अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध अडिग खड़े रहे। 26 दिसंबर 1705 को मुगल सेना द्वारा चारों साहिबजादों की हत्या भारतीय इतिहास का वह अध्याय है, जो साहस, बलिदान और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च त्याग का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2022 में इसी दिन को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा कर नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। यह कदम केवल स्मरण का नहीं, बल्कि प्रेरणा का स्रोत बन गया है। प्रधानमंत्री के संवाद में यह स्पष्ट दिखा कि सरकार युवाओं को केवल चमक-दमक तक सीमित नहीं देखना चाहती, बल्कि उन्हें देश की प्रतिभा और टैलेंट के रूप में आगे बढ़ते देखना चाहती है। उन्होंने कहा कि देश प्रतिभा को खोजता है, उसे संवारता है और आगे बढ़ने का अवसर देता है। गुजरात की सात साल की बच्ची को ग्रैंडमास्टर बनने पर बाल पुरस्कार मिलना, झारखंड की फुटबॉलर को राष्ट्रीय सम्मान मिलना और सामाजिक सेवा में योगदान देने वाले वंश को सम्मानित किया जाना यह दर्शाता है कि भारत हर क्षेत्र में अपने नायकों को पहचान रहा है। नौ साल की एस्तेर, जिनके यूट्यूब पर 20 मिलियन फॉलोअर्स हैं, यह बताती हैं कि डिजिटल युग में भारतीय बच्चे वैश्विक मंच पर भी अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के साथ मिलने वाला मेडल, प्रमाण पत्र और एक लाख रुपये तक का नकद इनाम केवल प्रोत्साहन नहीं है, बल्कि यह संदेश है कि सरकार प्रतिभा का सम्मान करती है और उसे आगे बढ़ने के लिए ठोस समर्थन भी देती है। यह सम्मान बच्चों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देता है और समाज को यह सिखाता है कि सफलता उम्र की मोहताज नहीं होती। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में भारतीय भाषाओं में हुए लगभग 160 भाषणों का उल्लेख करते हुए गुलामी की मानसिकता पर भी प्रहार किया। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के बाद भी लंबे समय तक ऐसी सोच हावी रही, लेकिन आज भारत अपनी भाषाओं, संस्कृति और पहचान पर गर्व कर रहा है। यह आत्मगौरव भी युवाओं के भीतर नई ऊर्जा भरता है और उन्हें अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस पूरे कार्यक्रम में मोदी सरकार की युवा-केंद्रित सोच स्पष्ट रूप से दिखाई दी। शिक्षा सुधार, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, खेलों में प्रोत्साहन, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने युवाओं को अवसरों से जोड़ा है। प्रधानमंत्री का यह विश्वास कि युवाओं की सफलता ही देश की सफलता बने, केवल नारा नहीं बल्कि कार्यनीति है। जब युवा आगे बढ़ता है, तो राष्ट्र स्वतः आगे बढ़ता है। अंततः प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार और वीर बाल दिवस का यह आयोजन भारत के भविष्य की मजबूत नींव का प्रतीक बन गया। यहां सम्मानित बच्चे केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों के नायक नहीं हैं, बल्कि वे उस भारत का चेहरा हैं जो आत्मविश्वास, साहस और संकल्प के साथ विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और वर्तमान सरकार की यही सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उन्होंने युवाओं को हाशिये से उठाकर राष्ट्र निर्माण के केंद्र में खड़ा कर दिया है।

जीवन मंत्र

जीवन में संतुलन का महत्व

> काम जरूरी है, लेकिन आराम और रिश्तों के बिना काम बोझ बन जाता है। उसी तरह, मनोरंजन आवश्यक है, पर यदि वही जीवन का उद्देश्य बन जाए तो प्रगति रुक जाती है। संतुलन का सबसे बड़ा उदाहरण प्रकृति में देखने को मिलता है।

किसी भी बात की अधिकता नहीं होनी चाहिए—यह कथन जीवन का एक गहरा और सार्वकालिक सत्य है। जीवन तभी सुंदर, स्वस्थ और सार्थक बनता है जब उसमें संतुलन हो। चाहे वह सुख-दुख हो, काम-आराम हो, धन-संयम हो या भावनाएँ—हर क्षेत्र में संतुलन आवश्यक है। असंतुलन न केवल मानसिक और शारीरिक परेशानियाँ पैदा करता है, बल्कि रिश्तों, समाज और आत्मिक शांति पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में लोग अक्सर किसी एक चीज़ में अत्यधिक उलझ जाते हैं। कोई काम में इतना डूब जाता है कि परिवार और स्वास्थ्य को नज़रअंदाज़ कर देता है, तो कोई मनोरंजन में इतना लिप्त हो जाता है कि जिम्मेदारियों से दूर भागने लगता है। दोनों ही स्थितियाँ नुकसानदेह हैं। काम ज़रूरी है, लेकिन आराम और रिश्तों के बिना काम बोझ बन जाता है। उसी तरह, मनोरंजन आवश्यक है, पर यदि वही जीवन का उद्देश्य बन जाए तो प्रगति रुक जाती है। संतुलन का सबसे बड़ा उदाहरण प्रकृति में देखने को मिलता है। दिन और रात, ऋतु परिवर्तन, वर्षा और धूप—सब एक निश्चित संतुलन में चलते हैं। यदि प्रकृति इस संतुलन को तोड़ दे, तो बाढ़, सूखा और आपदाएँ जन्म लेती हैं। यही नियम मानव जीवन पर भी लागू होता है। जब हम भोजन में संतुलन नहीं रखते, तो बीमारियाँ आती हैं। जब विचारों में संतुलन नहीं होता, तो तनाव और अवसाद घेर लेते हैं। भावनात्मक संतुलन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अत्यधिक क्रोध रिश्तों को तोड़ देता है, तो

अत्यधिक सहनशीलता शोषण को जन्म देती है। अत्यधिक खुशी भी लापरवाही ला सकती है, और अत्यधिक दुख इंसान को तोड़ सकता है। इसलिए जीवन में भावनाओं को समझदारी से नियंत्रित करना आवश्यक है। यही भावनात्मक संतुलन व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में भी स्थिर बनाए रखता है। आध्यात्मिक दृष्टि से भी संतुलन को सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

जीवन ऊर्जा

जोहान्स केपलर : जन्म 27 दिसंबर, 1571 — जन्म

आधुनिक खगोल विज्ञान के आधार स्तंभ

> जोहान्स केप्लर (27 दिसंबर 1571 – 15 नवंबर 1630) सत्रहवीं शताब्दी की वैज्ञानिक क्रांति के सबसे प्रभावशाली विद्वानों में से एक थे। वे जर्मन खगोलशास्त्री, गणितज्ञ, ज्योतिषी, प्राकृतिक दार्शनिक और लेखक थे। ग्रहों की गति से जुड़े उनके नियमों ने न केवल खगोल विज्ञान की दिशा बदली, बल्कि आगे चलकर आइज़ैक न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत की नींव भी रखी। इसी कारण केप्लर को आधुनिक खगोल विज्ञान और वैज्ञानिक पद्धति के संस्थापकों में गिना जाता है।

केप्लर का जन्म जर्मनी के वेल डेर स्टैड नामक शहर में हुआ था। उनका बचपन आर्थिक कठिनाइयों और शारीरिक कमजोरियों के बीच बीता। बचपन में चेचक के कारण उनकी दृष्टि कमजोर हो गई, फिर भी उनकी गणितीय प्रतिभा असाधारण थी। बहुत कम उम्र में उन्होंने 1577 के महान धूमकेतु और एक चंद्र ग्रहण का अवलोकन किया, जिसने उनके भीतर खगोल विज्ञान के प्रति गहरी रुचि जगा दी। शिक्षा के दौरान वे ट्यूबिंगन विश्वविद्यालय पहुँचे, जहाँ उन्होंने माइकल मैस्टलिन के मार्गदर्शन में कोपरनिकस के सूर्यकेंद्रित सिद्धांत का अध्ययन किया और उसके समर्थक बने। अपने प्रारंभिक करियर में केप्लर ग्राज़ में गणित और खगोल विज्ञान के शिक्षक रहे। यहीं उन्होंने अपनी पहली महत्वपूर्ण पुस्तक मिस्टीरियम कॉस्मोग्राफिकम लिखी, जिसमें उन्होंने ब्रह्मांड की संरचना को गणितीय और दार्शनिक दृष्टि से समझाने का प्रयास किया। इस दौर में वे ज्योतिष से भी जुड़े रहे, हालांकि वे

उसकी कई रूढ़ प्रथाओं के आलोचक थे। केप्लर मानते थे कि ब्रह्मांड ईश्वर द्वारा एक सुव्यवस्थित गणितीय योजना के तहत रचा गया है, जिसे मानव बुद्धि समझ सकती है। 1600 में केप्लर का जीवन निर्णायक मोड़ पर पहुँचा, जब वे प्राग में प्रसिद्ध खगोलशास्त्री टाइको ब्राहे के सहायक बने। टाइको के अत्यंत सटीक खगोलीय आँकड़ों के आधार पर केप्लर ने ग्रहों की गति पर गहन अध्ययन किया। इसी शोध के परिणामस्वरूप उन्होंने ग्रहों की गति के तीन प्रसिद्ध नियम प्रतिपादित किए। इन नियमों ने यह सिद्ध किया कि ग्रह वृत्ताकार नहीं, बल्कि दीर्घवृत्ताकार कक्षाओं में सूर्य की परिक्रमा करते हैं, और उनकी गति गणितीय नियमों से नियंत्रित होती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

गिरकर उठना ही सफलता की पहचान

जीवन में सफलता केवल ऊँचाइयों को छू लेने का नाम नहीं है, बल्कि बार-बार गिरने के बाद भी स्वयं को संभालकर आगे बढ़ते रहने की कला का नाम है। वही व्यक्ति वास्तव में सफल हो सकता है जो असफलताओं, कठिनाइयों और ठोकरों से हार न माने। जीवन का रास्ता कभी सीधा नहीं होता; इसमें उतार-चढ़ाव, संघर्ष और निराशाएँ स्वाभाविक हैं। ऐसे में जो व्यक्ति गिरकर उठना सीख लेता है, उसके कदमों को सफलता के शिखर तक पहुँचने से कोई रोक नहीं सकता। अक्सर समाज में सफलता का मूल्यांकन बाहरी उपलब्धियों से किया जाता है—पद, पैसा, प्रतिष्ठा और ऊँचा मुकाम। लेकिन वास्तविक सफलता का पैमाना यह नहीं होना चाहिए कि हमने कितनी ऊँचाई प्राप्त की, बल्कि यह होना चाहिए कि जीवन के कर्तव्य पथ पर हम कितनी बार गिरकर फिर खड़े हुए। जो व्यक्ति हर बार गिरने के बाद अनुभव लेकर आगे बढ़ता है, वही जीवन की असली परीक्षा में खरा उतरता है। सफल और असफल लोगों के बीच अंतर न तो बल का होता है और न ही बुद्धि का। इतिहास गवाह है कि असफल लोगों में भी क्षमता, प्रतिभा और ज्ञान की कोई कमी नहीं होती। अंतर केवल दृढ़ इच्छाशक्ति का होता है। सफल व्यक्ति वही है जो परिस्थितियों के सामने झुकता नहीं, बल्कि उनसे जूझने का साहस रखता है। असफल व्यक्ति अक्सर पहली या दूसरी ठोकर में ही हिम्मत हार बैठता है, जबकि सफल व्यक्ति हर गिरावट को एक सीख मानकर आगे बढ़ता है। जीवन में गिरना कोई कमजोरी नहीं है, बल्कि गिरने के बाद उठ न पाना कमजोरी है। हर बड़ी सफलता के पीछे असफलताओं की एक लंबी कहानी छिपी होती है। महान वैज्ञानिक, खिलाड़ी, कलाकार और नेता सभी ने अपने जीवन में अनेक बार असफलता का स्वाद चखा है। लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय अपने लक्ष्य पर विश्वास बनाए रखा और निरंतर प्रयास करते रहे। यही निरंतरता और संकल्प उन्हें साधारण से असाधारण बनाता है। किसी व्यक्ति की सफलता का सही मूल्यांकन उसकी गिरकर उठने की क्षमता से ही किया जाना चाहिए। जीवन में ऊँचाइयों तक पहुँचना निश्चित रूप से एक उपलब्धि है, लेकिन बार-बार गिरने के बाद भी उन्हीं ऊँचाइयों की ओर उड़ान भरते रहना उससे कहीं बड़ी उपलब्धि है। यह उड़ान आत्मविश्वास, धैर्य और अटूट विश्वास के पंखों पर ही संभव होती है। सफलता का एक महत्वपूर्ण सूत्र यह भी है कि हम दूसरों को जो सलाह देते हैं, उस पर स्वयं चलना सीखें। जब व्यक्ति अपने ही सिद्धांतों और मूल्यों को जीवन में उतार लेता है, उसी दिन उसकी सफलता सुनिश्चित हो जाती है। केवल बातें करना आसान है, लेकिन उन्हें आचरण में ढालना कठिन। जो यह कठिन कार्य कर लेता है, वही जीवन में स्थायी सफलता प्राप्त करता है। अंततः, जीवन हमें बार-बार परीक्षा में डालता है। जो हर बार गिरकर भी उठ खड़ा होता है, वही सच्चे अर्थों में विजेता है। गिरना जीवन का हिस्सा है, लेकिन उठते रहना ही सफलता की पहचान है।

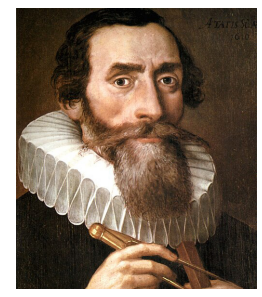

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

शख्सियत — लांस नायक अलबर्ट एक्का

अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान की अमर गाथा

लांस नायक अलबर्ट एक्का भारतीय सेना के उन वीर सपूतों में से हैं, जिनका नाम देश के सैन्य इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। भारत–पाकिस्तान युद्ध 1971 के दौरान अद्वितीय वीरता, साहस और बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

वे झारखंड की धरती से निकले ऐसे योद्धा थे, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अलबर्ट एक्का का जन्म 27 दिसंबर 1942 को झारखंड के गुमला जिले के जारी गांव में हुआ था, जो एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है। उनके पिता जूलियस एक्का और माता मरियम एक्का थे। साधारण परिवार में जन्मे अलबर्ट बचपन से ही अनुशासन, परिश्रम और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत थे। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा सी.सी. स्कूल पटराटोली से प्राप्त की और माध्यमिक शिक्षा भिखमपुर मिडिल स्कूल से पूरी की। उनका बचपन कठिन परिस्थितियों में बीता, लेकिन भारतीय सेना में जाने का सपना उनके मन में शुरू से ही स्पष्ट था। दिसंबर 1962 में अलबर्ट एक्का भारतीय सेना में भर्ती हुए। प्रारंभ में उन्होंने बिहार रेजिमेंट में सेवा शुरू की, बाद में 14 गार्ड्स बटालियन के गठन के समय उनका स्थानांतरण उसी यूनिट में कर दिया गया। वे न केवल एक कुशल सैनिक थे, बल्कि एक अच्छे हॉकी खिलाड़ी भी थे। उनके साथी सैनिक उन्हें अनुशासनप्रिय, निडर और नेतृत्व क्षमता से भरपूर योद्धा के रूप में जानते थे। भारत–पाकिस्तान युद्ध 1971 के दौरान अलबर्ट एक्का ने पश्चिम बंगाल के हिली सेक्टर में अद्वितीय शौर्य का प्रदर्शन किया। दुश्मन के मजबूत बंकरों से हो रही भीषण गोलीबारी के बीच उन्होंने आगे बढ़कर एक-एक कर दुश्मन के बंकरों को ध्वस्त किया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद वे रुके नहीं और अंतिम सांस तक अपने साथियों की रक्षा करते रहे। 3 दिसंबर 1971 को वे वीरगति को प्राप्त हुए, लेकिन उनकी वीरता ने युद्ध की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अलबर्ट एक्का का बलिदान भारतीय सेना की परंपरा और आदर्शों का प्रतीक है। उनकी शहादत ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्चा सैनिक अपने प्राणों से बढ़कर देश की सुरक्षा को महत्व देता है। भारत सरकार ने उनके अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को सम्मान देते हुए उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से अलंकृत किया, जो भारतीय सेना का सर्वोच्च वीरता सम्मान है। आज भी अलबर्ट एक्का का नाम युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, विशेषकर आदिवासी समाज और झारखंड के युवाओं के लिए। उनका जीवन यह संदेश देता है कि साधारण पृष्ठभूमि से आने वाला व्यक्ति भी असाधारण साहस और संकल्प के बल पर इतिहास रच सकता है। लांस नायक अलबर्ट एक्का का जीवन और बलिदान सदैव राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए देशभक्ति का उज्ज्वल उदाहरण बना रहेगा।

अपने विचार

जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। इन लोगों को सबक सिखाया जाना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे इजरायल ने गाजा को सिखाया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने पाकिस्तान को जो सबक दिया था, वैसा ही सबक दिया जाना चाहिए।

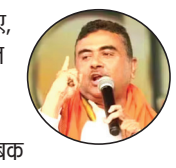

-शुभेन्दु अधिकारी
नेता, भाजपा

बिहार चुनाव में जनता ने राजद को बुरी तरह से पराजित किया है। इस वजह से तेजस्वी यादव हार को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। हार की हताशा में वे जनता से मिलने में शरमा रहे हैं। इसी वजह से राहुल गांधी की तरह विदेश चले गए हैं। उनके सभी 25 विधायक हमारे संपर्क में हैं।

-रामकृपाल यादव
नेता, भाजपा

उद्धव ठाकरे बेबसी का पर्याय बन गए हैं। नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के लिए उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को प्रचार के लिए बाहर नहीं निकाला। अगर कोई उद्धव ठाकरे के साथ जुड़ता भी है, तो उसका प्रदर्शन स्थानीय निकाय चुनाव से भी बदतर होगा।

-नवनीत राणा
नेत्री, भाजपा

जब कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूह बहुसंख्यक होने के नाम पर हमले व दंगे करते हैं, वह भी ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री क्रिसमस समारोह में भाग ले रहे हैं। यह राष्ट्र को एक चिंताजनक संदेश देता है।

-एम.के.स्टालिन
सीएम, तमिलनाडु

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

ब्राह्मण एकता मंच का वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

मुंबई। ब्राह्मण एकता मंच एवं चैरिटी ट्रस्ट का वार्षिकोत्सव व सम्मान समारोह मुंबई के मालाड पश्चिम स्थित अस्पी ऑडिटोरियम में भव्य रूप से संपन्न हुआ, जिसमें स्वामी कैलाशपुरी महाकाल बाबा, पूर्व सांसद गजानन कीर्तिकर, सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, डीआईजी सीआरपीएफ सुभाष शर्मा और पूर्व कमिश्नर के.एस. मिश्र प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षा, समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. सागर त्रिपाठी, चंद्र किशोर शर्मा, डॉ. ओमप्रकाश दूबे, पं. उमेश दूबे और धर्मानुरागी रामदेव को 'ब्राह्मण भूषण सम्मान' प्रदान किया गया, जबकि डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय, संजय मिश्रा, लक्ष्मण द्विवेदी, डॉ. अमर मिश्र, विवान कारूलकर, पं. अभिषेक दूबे, एडवोकेट विपिन दूबे, पटकथा लेखक बृजमोहन पांडेय, पं. हर्षित मिश्र सहित कई गणमान्य व्यक्तियों को 'ब्राह्मण गौरव सम्मान' से नवाजा गया। इससे पूर्व आयोजित कवि सम्मेलन में विनोद दूबे, सुरेश शुक्ल, कुसुम तिवारी और राजेश दुबे अल्हड़ की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन हास्य कवि सुरेश मिश्र और पत्रकार शिवपूजन पांडेय ने किया। आयोजन में ब्राह्मण समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

ठाणे मनपा आम चुनाव के लिए चुनावी अधिकारियों की ट्रेनिंग पूरी हुई

ठाणे। ठाणे मनपा आम चुनाव 2025–26 की पृष्ठभूमि में डॉ. काशीनाथ घाणेकर नाट्यगृह में चुनावी अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मनपा उपायुक्त व चुनाव अधिकारी उमेश बिरारी ने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों की जानकारी दी। इस अवसर पर उपायुक्त जी.जी. गोदापुरे ने लोकसभा और मनपा चुनावों में प्रयुक्त मशीनों के अंतर को समझाते हुए बताया कि मनपा चुनाव में वीवीपैट मशीन नहीं होती है। प्रशिक्षण में मॉक पोल की प्रक्रिया, ईवीएम के बैलेट यूनिट और कंट्रोल यूनिट को जोड़ने का तरीका, एंड बटन का महत्व, सीलिंग, पोलिंग के दिन बरती जाने वाली सावधानियां, मतदान के बाद मशीनों को स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित रखने की प्रक्रिया, तकनीकी खराबी की स्थिति में त्वरित कार्रवाई, चुनाव कानून, आचार संहिता और शिकायत निवारण जैसे विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। बड़ी संख्या में फील्ड अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी वाले इस प्रशिक्षण से आगामी ठाणे मनपा चुनाव को पारदर्शी, निर्भीक और नियमों के अनुरूप संपन्न कराने में मदद मिलने की उम्मीद जताई गई।

साहिबजादों के त्याग और बलिदान ने भारतीय इतिहास को दी नई दिशा: मुख्यमंत्री

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि गुरुओं द्वारा दिखाए गए मानवता के मार्ग पर चलने के लिए केवल विचार नहीं, बल्कि अपने कर्मों से संकल्प लेना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि साहिबजादों के साहस और बलिदान ने भारतीय इतिहास को नई दिशा दी है और उनका शौर्य आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

वीर बाल दिवस और गुरु तेग बहादुर का बलिदान

मुंबई के सायन स्थित गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर दरबार में वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र के लिए शीश अर्पित करने वाले गुरु तेग बहादुर साहिब का बलिदान देश कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर और उनके परिवार द्वारा धर्म, संस्कृति और संस्कारों की रक्षा के लिए दिया गया त्याग इतिहास में अमर है और 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने का निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है।

साहिबजादों का शौर्य, पीढ़ियों के लिए प्रेरणा

मुख्यमंत्री ने दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के सुपुत्र साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के अद्वितीय शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनकी दृढ़ता, साहस और निष्ठा से समाज को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके पूरे परिवार द्वारा दी गई शहादत देश के लिए मार्गदर्शक रही है और उन्होंने कभी अपने उद्देश्य से विचलन नहीं होने दिया।

गरिमामयी उपस्थिति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

इस अवसर पर विधायक प्रसाद लाड, विधायक तमिल सेल्वन, गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी समागम समिति के राज्य स्तरीय समन्वयक रामेश्वर नाईक, पंजाबी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष बल मलकित सिंह सहित गुरुद्वारा समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने वीर शहीद साहिबजादों और सिख गुरुओं के बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने किया कार्यालयों का निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका के 15 जनवरी 2026 के सार्वत्रिक चुनाव को ध्यान में रखते हुए, सभी आठ विभागों में चुनाव निर्णय अधिकारी कार्यालय सक्रिय कर दिए गए हैं। आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी डॉ. कैलास शिंदे ने इन कार्यालयों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और चुनाव से संबंधित सभी सुविधाओं व व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने आवश्यक सुधारों के लिए तुरंत कदम उठाने और संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने के साथ-साथ अतिरिक्त आयुक्त श्री. सुनिल पवार, डॉ. राहुल गेठे और शहर अभियंता श्री. शिरीष आरदवाड की मौजूदगी में मूल्यवान सुझाव दिए।

मतदान केंद्र, व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश

आयुक्त ने प्रत्येक विभाग के प्रभागों और मतदान केंद्रों का विस्तृत निरीक्षण किया, जहां कुल 28 प्रभागों में 1148 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल, CCTV व्यवस्था, पिंक बूथ, स्वच्छता बूथ और वसुंधरा बूथ जैसी विशेष व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक सुधारों के निर्देश दिए। इसके साथ ही जीओ टैगिंग और GPS सिस्टम द्वारा वाहनों की निगरानी, कर्मचारी नियुक्तियों की पारदर्शिता, प्रतीक्षा कक्ष, नोंदणी कक्ष, मदद कक्ष और बड़ी स्क्रीन जैसी सुविधाओं पर जोर दिया गया। आयुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को समयबद्ध तरीके से अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए, ताकि नवी मुंबई मनपा चुनाव सुव्यवस्थित और पारदर्शी रूप से संपन्न हो।

शिवसेना महिला जिला प्रमुख सुषमा सिंह ठाकुर ने राजावाडी अस्पताल का निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के घाटकोपर पूर्व स्थित राजावाड़ी अस्पताल में अत्यंत आवश्यक रक्त विघटन मशीन पिछले कई महीनों से बंद पड़ी है, जिससे मरीजों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मशीन के अभाव में आपातकालीन मामलों में इलाज में भारी देरी हो रही है और खासतौर पर गर्भवती महिलाओं की जान जोखिम में पड़ रही है। इस समस्या को लेकर मरीजों के परिजनों और सामाजिक संगठनों ने बार-बार शिकायतें दर्ज कराई थीं।

रक्त विघटन मशीन बंद, मरीजों की बढ़ी मुश्किलें

स्थानीय नागरिकों से जानकारी मिलने के बाद शिवसेना महिला जिला प्रमुख (ईशान्य मुंबई, उत्तर भारतीय संगठन) सुषमा सिंह ठाकुर ने सोमवार को राजावाड़ी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की डीन डॉ. भारती राजुलकर से मुलाकात कर जल्द समाधान की मांग की, जिस पर डीन ने एक सप्ताह में समस्या दूर करने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान शिवसेना घाटकोपर पूर्व विधानसभा महिला प्रमुख विनीता पाण्डेय, वरिष्ठ समाजसेविका आशा कोड़े, आशा सिंह, प्रमिला सिंह, निशा ठाकुर सहित मरीजों के परिजन और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न

ई-पत्रिका का विमोचन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 26 दिसंबर 2025 को महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय की ई-पत्रिका 'ई-राजहंस' के 61वें अंक का विमोचन किया गया। साथ ही रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार आयोजित हिंदी निबंध, वाक्, हिंदी टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं के 19 विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती भी मनाई गई और उनकी प्रसिद्ध कविता 'गीत नया गाता हूं' का गायन प्रस्तुत किया गया।

राजभाषा प्रश्न-मंच और प्रगति रिपोर्ट

बैठक में अधिकारियों के लिए राजभाषा प्रश्न-मंच का आयोजन किया गया, जिसमें सही उत्तर देने वालों को पुरस्कृत किया गया। जुलाई से सितंबर 2025 के दौरान पश्चिम रेलवे में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति से संबंधित आंकड़े समिति की सदस्य सचिव श्रीमती सुनीता अहिरे द्वारा प्रस्तुत किए गए। बैठक में पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, सभी मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक और कारखानों के प्रमुख उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

महाप्रबंधक का संदेश: राजभाषा के शत-प्रतिशत अनुपालन पर जोर

बैठक की अध्यक्षता करते हुए महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अधिकारियों-कर्मचारियों से अपने-अपने कार्यस्थलों पर हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। उन्होंने अपेक्षा जताई कि रेलवे बोर्ड स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागी पश्चिम रेलवे का नाम रोशन करें। साथ ही गृह मंत्रालय और रेलवे बोर्ड द्वारा जारी राजभाषा संबंधी दिशा-निर्देशों के शत-प्रतिशत अनुपालन पर विशेष बल दिया।

मुख्य राजभाषा अधिकारी का संबोधन और वेबसाइट अद्यतन पर जोर

बैठक के प्रारंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी विनीत गुप्ता ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत करते हुए पुस्तकों और पुस्तकालयों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यूनेस्को द्वारा 23 अप्रैल को 'विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस' घोषित किया गया है, जिसका उद्देश्य साहित्य को बढ़ावा देना है। साथ ही उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में मंडलों, कारखानों और विभागों की वेबसाइट को नियमित रूप से अद्यतन रखने तथा सामग्री को हिंदी और अंग्रेजी—दोनों भाषाओं में अपलोड करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अटल सम्मान से सम्मानित हुए संजय केलकर

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे से भारतीय जनता पार्टी के विधायक और वरिष्ठ नेता संजय केलकर को आज ठाणे में 'अटल सम्मान' से नवाजा गया। सम्मान स्वीकार करते हुए केलकर ने कहा कि यह उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और अटल बिहारी वाजपेयी उनके लिए देश के सच्चे हीरो हैं। उन्होंने कहा कि अटलजी जैसी शख्सियत राजनीति और सार्वजनिक जीवन में आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं।

दिल्ली समारोह के बाद ठाणे में हुआ सम्मान

उल्लेखनीय है कि इंटरनेशनल अटल सम्मान समारोह 23 दिसंबर को नई दिल्ली स्थित महाराष्ट्र सदन में आयोजित किया गया था। अटल फाउंडेशन द्वारा इस अवॉर्ड की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी, लेकिन ठाणे महानगरपालिका से जुड़ी पार्टी की जिम्मेदारियों के चलते संजय केलकर दिल्ली के कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। इसके बाद आज शाम 4 बजे खोपट स्थित भाजपा कार्यालय में अटल फाउंडेशन की नेशनल प्रेसिडेंट अपर्णा सिंह की ओर से महाराष्ट्र स्टेट प्रेसिडेंट गणेश राजे के हाथों उन्हें सम्मान प्रदान किया गया।

अटलजी के विचारों पर चलने वाला नेतृत्व: गणेश राजे

इस अवसर पर विधायक संजय केलकर ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक नेता नहीं, बल्कि एक आदर्श सार्वजनिक प्रतिनिधि और संवेदनशील कवि थे। वहीं, महाराष्ट्र स्टेट प्रेसिडेंट गणेश राजे ने कहा कि संजय केलकर अटलजी के विचारों पर चलने वाले सादगीपूर्ण और जनसुलभ नेता हैं। उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में किसानों, पुलिस, पूर्व सैनिकों और युवाओं के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हीं योगदानों के लिए उन्हें 'अटल सम्मान' से सम्मानित किया गया है।

प्रभाग समिति 'ए' और 'ई' में मतदान जागरूकता रैली का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । वसई

वसई विरार शहर महानगरपालिका की सार्वभौमिक चुनाव प्रक्रिया के तहत प्रभाग समिति 'ए' बोळींज और प्रभाग समिति 'ई' नालासोपारा में मतदान जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह अभियान मा. आयुक्त श्री मनोजकुमार सूर्यवंशी (भा.प्र.से.) के निर्देशानुसार और मा. उप-आयुक्त श्री अजित मुठे के मार्गदर्शन में स्वीप के तहत आयोजित किया गया। रैली में महानगरपालिका के स्वच्छता कर्मचारी और स्वच्छता निरीक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने मतदान संबंधी जनजागरूकता के विभिन्न पोस्टर और बैनर हाथ में लेकर नागरिकों को मतदान के लिए आमंत्रित किया। रैली के दौरान उपस्थित लोगों को मतदान प्रक्रिया और उसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य

इस रैली का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं में चुनाव प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना था। स्थानीय नागरिकों में उत्साह और भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए रैली का आयोजन किया गया। वसई विरार शहर महानगरपालिका ने 15 जनवरी 2026 को होने वाले मतदान के दिन सभी मतदाताओं से मतदान करने का आग्रह किया। यह जागरूकता अभियान मतदान के दिन तक जारी रहेगा और विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से मतदाता जागरूकता को बढ़ावा दिया जाएगा।

ठाणे टाउन पुलिस का रूट मार्च

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम चुनाव 2025 के मद्देनज़र शहर में राजनीतिक गतिविधियां तेज़ हो गई हैं। इसी पृष्ठभूमि में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा पैदा करने के लिए ठाणे टाउन पुलिस ने गुरुवार को बड़े पैमाने पर रूट मार्च आयोजित किया।

75 से अधिक अधिकारी रहे शामिल

इस रूट मार्च में नौपाड़ा डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त संभाजी जाधव, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भरत चौधरी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। आरसीपी और एसआरपीएफ प्लाटून के जवानों के साथ ठाणे नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। कुल मिलाकर करीब 75 से अधिक पुलिस अधिकारी और जवान इस रूट मार्च में सहभागी रहे।

नागरिकों को दिया गया सुरक्षा और नियमों का संदेश

रूट मार्च के दौरान नागरिकों को आदर्श आचार संहिता, चुनाव अवधि के नियमों और कानून-व्यवस्था से जुड़ी जानकारी दी गई। पुलिस प्रशासन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और निर्भय वातावरण में संपन्न कराई जाएगी। इस रूट मार्च से इलाके में पुलिस की मौजूदगी मजबूत हुई है और नागरिकों में सुरक्षा की भावना और अधिक सुदृढ़ हुई है।

कमिश्नर के आदेश पर रूट मार्च

ठाणे पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे के आदेश पर शाम 4.45 बजे ठाणे नगर पुलिस स्टेशन से रूट मार्च की शुरुआत हुई। यह मार्च गोल्ड सिनेमा, माटे चौक, अशोक टॉकीज, दत्त मंदिर, सिडको बस स्टॉप, ठाणे कॉलेज, दादोजी कोंडदेव स्टेडियम सहित प्रमुख इलाकों से होते हुए शाम 5.45 बजे पुनः ठाणे नगर पुलिस स्टेशन पर समाप्त हुआ।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। दूर रहने वाले व्यक्तियों से संपर्क के कारण लाभ हो सकता है। नई योजनाओं का सूत्रपात होने के योग हैं। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। व्यर्थ संदेह न करें। मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा।

वृष व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। बेचैनी रहेगी। विवादों से दूर रहना चाहिए। पिता से व्यापार में सहयोग मिल सकेगा। सरकारी मसले सुलझेंगे। सकारात्मक सोच बनेगी।

मिथुन जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है। कार्य में विलंब के भी योग हैं। आर्थिक हानि हो सकती है। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण रहेगा।

कर्क यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा। दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप से बचें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। विलासिता के प्रति रुझान बढ़ेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी।

सिंह संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। अनायास धन लाभ के योग हैं। व्यापार में वांछित उन्नति होगी। बेरोजगारी दूर होगी। विवाद न करें।

कन्या कार्यस्थल पर परिवर्तन लाभ में वृद्धि करेगा। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। कार्य में नवीनता के भी योग हैं। संतान के व्यवहार से समाज में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। इच्छित लाभ होगा।

वृश्चिक शत्रु सक्रिय रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। लेन-देन में सावधानी रखें, जोखिम न लें। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात का हर्ष होगा। संतान की आजीविका संबंधी समस्या का हल निकलेगा।

धनु किसी कार्य में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से जुड़ने की प्रवृत्ति आपके लिए शुभ रहेगी। राज्यपक्ष से लाभ होगा। अपने काम से काम रखें। दांपत्य सुख प्राप्त होगा। बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ रहेगी। आय में कमी होगी।

मकर यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। आकस्मिक लाभ व निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नाता रहेगी। परिश्रम से स्वयं के कार्यों में भी शुभ परिणाम आएँगे।

कुंभ नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय से अधिक व्यय न करें। परोपकार में रुचि

मीन मेहमानों का आवागमन होगा। व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। व्यर्थ समय नष्ट न करें। रुका पैसा मिलेगा।

आर्थिक स्थिति कब सुधरेगी और कैसे-जन्मकुंडली के संकेत क्या कहते हैं

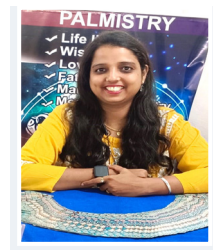

प्रियंका जैन
9769994439

जीवन में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जो आर्थिक रूप से मजबूत होना न चाहता हो। धन केवल विलास का साधन नहीं है, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का भी आधार है। सही ही कहा गया है—अर्थ के बिना बहुत कुछ व्यर्थ हो जाता है। फिर भी अनेक लोगों के जीवन में यह प्रश्न बार-बार उठता है कि मेहनत करने के बावजूद आर्थिक स्थिति स्थिर क्यों नहीं हो पाती, आय क्यों कभी बढ़ती है तो कभी अचानक घट जाती है, और क्या सामान्य या संघर्षपूर्ण आर्थिक स्थिति वाला व्यक्ति कभी वास्तव में धनवान बन सकता है। ज्योतिष के अनुसार इसका उत्तर जन्मकुंडली में छिपा होता है। कुंडली का दूसरा और ग्यारहवां भाव सीधे-सीधे व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, आय, संचय और समृद्धि से जुड़े होते हैं। दूसरा भाव धन संचय, बचत, परिवार की आर्थिक स्थिति और स्थायी संपत्ति का कारक माना जाता है, जबकि ग्यारहवां भाव आय, लाभ, कमाई के स्रोत और धन आगमन के रास्तों को दर्शाता है। जब ये दोनों भाव और इनके स्वामी ग्रह बलवान, शुभ स्थिति में और अच्छे योगों से युक्त होते हैं, तब व्यक्ति आर्थिक रूप से अवश्य उन्नति करता है। यदि किसी जातक की कुंडली में दूसरा भाव मजबूत हो, उसका स्वामी उच्च, स्वगृही या शुभ ग्रहों से दृष्ट या युत हो, तो धन रुकता नहीं है। ऐसा व्यक्ति जितना कमाता है, उतना बचा भी पाता है। वहीं ग्यारहवां भाव यह बताता है कि धन आएगा कैसे, कितने स्रोतों से आएगा और किस क्षेत्र से आएगा। जब ग्यारहवां भाव और उसका स्वामी बलवान होता है, तब आय के अवसर अपने आप बनते चले जाते हैं। नौकरी में पदोन्नति, व्यापार में विस्तार, नए संपर्क और नए अवसर—ये सब उसी स्थिति के परिणाम होते हैं। अक्सर लोग यह जानना चाहते हैं कि आर्थिक सुधार कब होगा। इसका उत्तर ग्रहों की दशा और अंतरदशा में छिपा होता है। जब धनकारक ग्रहों, दूसरे या ग्यारहवें भाव के स्वामियों, अथवा किसी शुभ राजयोग कारक ग्रह की दशा चलती है, तब आर्थिक स्थिति में स्पष्ट सुधार दिखाई देने लगता है। कई बार व्यक्ति लंबे समय तक संघर्ष करता रहता है, लेकिन जैसे ही अनुकूल दशा आती है, परिस्थितियाँ अचानक बदलने लगती हैं। आय बढ़ती है, रुका हुआ धन मिलने लगता है और जीवन में स्थिरता आने लगती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी जातक की कुंडली मिथुन लग्न की हो, तो उसके दूसरे भाव का स्वामी चंद्रमा और ग्यारहवें भाव का स्वामी मंगल होता है। यदि चंद्र और मंगल दोनों बलवान हों, शुभ योगों में हों, केंद्र या त्रिकोण से जुड़े हों, या शुभ ग्रहों जैसे गुरु, शुक्र और बुध की दृष्टि या संगति में हों, तो ऐसा जातक आर्थिक रूप से अच्छा करता है। ऐसे लोग मेहनती होने के साथ-साथ अवसरों को पहचानने की क्षमता भी रखते हैं। उनकी आय में उतार-चढ़ाव तो हो सकता है, लेकिन दीर्घकाल में वे आर्थिक रूप से मजबूत बनते हैं। इसी प्रकार कन्या लग्न की कुंडली में धन का स्वामी शुक्र और ग्यारहवें भाव का स्वामी चंद्रमा होता है। यदि शुक्र और चंद्र दोनों ही शुभ और बलवान हों, उच्च राशि में हों, या किसी राजयोग से जुड़े हों, तो व्यक्ति को अच्छा धन लाभ होता है। ऐसा जातक सुंदरता, कला, व्यापार, सेवा क्षेत्र या जनता से जुड़े कार्यों के माध्यम से अच्छी आय अर्जित करता है। जब धन स्वामी और धन आगमन स्वामी दोनों सहयोग करें, तब आर्थिक समृद्धि स्थायी बनती है। धन आने के रास्ते कैसे होंगे, यह मुख्य रूप से ग्यारहवें भाव और उसके स्वामी की स्थिति पर निर्भर करता है। यदि ग्यारहवें भाव पर नवम और दशम भाव के स्वामियों का प्रभाव हो, या ग्यारहवें भाव का स्वामी केंद्र या त्रिकोण में बलवान होकर बैठा हो, तो व्यक्ति को अपने कर्म और भाग्य दोनों का सहयोग मिलता है।

न्यूज ब्रीफ

सिख गुरुओं का बलिदान धर्म और मानवता के लिए प्रेरणास्रेत : योगी

लखनऊ। वीर बाल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिख गुरुओं और गुरु गोबिन्द सिंह के साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को नमन करते हुए इसे धर्म, मानवता और राष्ट्र रक्षा का सर्वोच्च उदाहरण बताया। सिख गुरु गोबिन्द सिंह के साहिबजादों के बलिदान दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में मुख्यमंत्री आवास पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कीर्तन समागम में बाबा अजित सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह को नमन किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख और असीम अरुण, आरएसएस के प्रांत प्रचारक कौशल, एमएलसी महेंद्र सिंह, पवन सिंह चौहान, सरदार गुरुविंदर सिंह छाबड़ा, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं गृह संजय प्रसाद सहित अनेक प्रमुख व्यक्ति मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सिख गुरुओं का इतिहास भक्ति और शक्ति के अनुपम तेज का प्रतीक है। उस दौर में साधनों का अभाव था, फिर भी साधना के बल पर सिद्धि प्राप्त कर मानवता और धर्म की रक्षा की गई। उन्होंने कहा कि हमें अपनी गति को प्रगति की ओर ले जाना चाहिए, दुर्गति की ओर नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर बाल दिवस का आयोजन गुरु परंपरा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। गुरु गोबिन्द सिंह के 550वें प्रकाश पर्व पर यह संकल्प लिया गया था कि साहिबजादों के बलिदान को राष्ट्रीय स्तर पर स्मरण किया जाएगा।

गोली लगने से युवक की मौत, पत्नी समेत दो गिरफ्तार

मीरजापुर। कछवां कस्बा चौकी क्षेत्र की कांशीराम आवास कॉलोनी में गुरुवार देर रात अवैध असलहे से चली गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान 32 वर्षीय सद्दाम अली के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस ने मृतक की पत्नी और चचेरे भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया गया कि पिस्टल देखने के दौरान आपसी खींचतान में अचानक ट्रिगर दब गया, जिससे गोली लगने से सद्दाम गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों और फील्ड यूनिट ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। मृतक के पिता की तहरीर पर पत्नी और चचेरे भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

दिव्यांगजन राज्य सलाहकार बोर्ड में रीशा वर्मा को जिम्मेदारी

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार ने सुलतानपुर की सामाजिक कार्यकर्ता रीशा वर्मा को दिव्यांगजन राज्य सलाहकार बोर्ड का सदस्य नामित किया है। उनकी नियुक्ति पर जिले में हर्ष का माहौल है और शुभचिंतकों ने बधाइयाँ दी हैं। दिव्यांगजन सशक्तीकरण अनुभाग–3 द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रदेश भर से कुल 20 सदस्यों को बोर्ड में शामिल किया गया है। सभी सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष निर्धारित किया गया है। रीशा वर्मा वर्तमान में जिले के भईं स्थित मानसिक विक्षिप्त संस्थान की निदेशक हैं। इससे पहले वे समाज कल्याण बोर्ड की सदस्य के रूप में भी सेवाएँ दे चुकी हैं। सामाजिक सरोकारों और दिव्यांगजन के हित में उनके अनुभव को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जमीन विवाद में खूनखराबा अमेठी में बड़े भाई को जिंदा जलाया

एजेंसी । अमेठी

अमेठी जिले में पारिवारिक जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कोतवाली अमेठी क्षेत्र के सुंदरपुर दरखा गांव में बड़े भाई की जिंदा जलाकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक के छोटे भाई और उसके दो बेटों के खिलाफ पुलिस ने नामजद एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामसजीवन गुप्ता (42) बुधवार रात गांव से कुछ दूरी पर बने अपने छप्परनुमा मकान में सो रहे थे। रात करीब साढ़े नौ बजे अचानक छप्पर में आग भड़क उठी। लपटें उठती देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद आग बुझाई, लेकिन तब तक रामसजीवन बुरी तरह झुलस चुके थे।

छोटे भाई और दो भतीजों के खिलाफ एफआईआर दर्ज, एक आरोपी गिरफ्तार

ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान तोड़ा दम

घटना के बाद परिजन रामसजीवन को जिला अस्पताल गौरीगंज लेकर पहुंचे, जहां से हालत नाजुक देखते हुए उन्हें लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। गुरुवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक की भाभी फूलपती देवी ने कोतवाली अमेठी में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि जमीन को लेकर चल रहे विवाद के कारण छोटे भाई जगन्नाथ गुप्ता और उसके पुत्र सचिन व सतीश ने योजनाबद्ध तरीके से छप्पर में आग लगा दी। आरोप है कि आग लगते ही रामसजीवन जान बचाने के लिए बाहर भागे, शोर सुनकर जब वह मौके पर पहुंचीं तो आरोपियों को भागते हुए देखा गया।

छह माह पूर्व हुआ था पत्नी का निधन

बताया गया है कि रामसजीवन की पत्नी का छह माह पूर्व निधन हो चुका था। वह अपने चार वर्षीय पुत्र के साथ रहते थे। घटना के समय बच्चा मामा के घर होने के कारण सुरक्षित बच गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की गहन जांच जारी है।

वाहन चालान का फर्जी मैसेज भेजकर ले लिया लोन

जालसाजों ने पीड़ित के नाम पर बैंक लोन लेकर डकारी रकम

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में साइबर अपराधियों ने वाहन चालान के नाम पर भेजे गए फर्जी मैसेज के जरिए एक व्यक्ति का मोबाइल फोन हैक कर लिया और उसके नाम पर बैंक से लाखों रुपये का लोन लेकर रकम निकाल ली। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर 113 थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा के अनुसार, सेक्टर 123 निवासी ब्रह्म दत्त पाल ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित के मुताबिक कुछ दिन पहले उनके मोबाइल पर वाहन चालान से संबंधित एक मैसेज आया था, जिसमें एक लिंक दिया गया था। लिंक खोलते ही साइबर अपराधियों ने उनके मोबाइल फोन को अपने कब्जे में ले लिया।

दस्तावेजों का दुरुपयोग कर लिया बैंक लोन

मोबाइल में मौजूद व्यक्तिगत और बैंक संबंधी जानकारी हासिल कर आरोपियों ने पीड़ित के नाम पर एचडीएफसी बैंक से 4 लाख 18 हजार रुपये का लोन स्वीकृत करा लिया। इसके बाद लोन की राशि पीड़ित के खाते में डलवाकर उसे निकाल लिया गया। पीड़ित ने बताया कि उनके खाते में पहले मात्र 1200 रुपये जमा थे। आरोपियों ने लोन की रकम खाते में आते ही अलग-अलग लेनदेन के माध्यम से धनराशि निकाल ली। आरोप है कि दस बार में करीब एक लाख रुपये और एक बड़े ट्रांजैक्शन के जरिए तीन लाख रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित का आरोप है कि शुरुआत में शिकायत के बावजूद पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया, जिसके चलते उन्हें थाने के कई चक्कर लगाने पड़े।

जौनपुर में ग्राहक सेवा केंद्र संचालक की हत्या

घटनास्थल से नकदी बरामद, सेवा केंद्र के भीतर कराहते मिले फूलचंद्र पासवान

एजेंसी । जौनपुर

जौनपुर जिले के खुटहन थाना क्षेत्र अंतर्गत पनौली गांव में शुक्रवार सुबह एक ग्राहक सेवा केंद्र संचालक की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या का मामला सामने आया है। केंद्र संचालक को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पनौली गांव निवासी फूलचंद पासवान उर्फ सेवाराम (60) गांव में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं फिनो बैंक का ग्राहक सेवा केंद्र संचालित करते थे। शुक्रवार सुबह जब कुछ महिलाएं पैसे निकालने केंद्र पर पहुंचीं, तो भीतर से कराहने की आवाज सुनाई दी। महिलाओं ने तत्काल आसपास के दुकानदारों को सूचना दी। शटर खोलने पर फूलचंद अंदर लहूलुहान अवस्था में पड़े मिले।

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

घायल अवस्था में फूलचंद को शाहगंज स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और अत्यधिक रक्तस्राव हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिले से फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से अहम साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच पड़ताल की। अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक की जेब से 1 लाख 68 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। घटनास्थल के पास से ईंट का एक टुकड़ा भी मिला है, जिसे हत्या में प्रयुक्त संभावित हथियार मानते हुए जब्त किया गया है। पुलिस सभी पहलुओं—लूट, रंजिश और अन्य कारणों—को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। फूलचंद के परिवार में दो बेटे और दो बेटियां हैं। बड़ा बेटा उत्तर प्रदेश पुलिस में गोरखपुर जिले में तैनात है, जबकि छोटा बेटा घर पर रहता है।

ढुधवा–कतर्नियाघाट इको टूरिज्म को मिला नया विस्तार

लखनऊ से गौरीफंटा तक सीधी एसी बस सेवा

एजेंसी । लखनऊ

दुधवा नेशनल पार्क और उससे जुड़े वन क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। कैसरबाग बस अड्डे से संचालित विशेष एसी 2×2 बस सेवा को अब दुधवा से आगे अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित गौरीफंटा तक विस्तारित कर दिया गया है। इससे इको टूरिज्म को नई गति मिलने की उम्मीद है।

बस का समय और किराया तय

नई व्यवस्था के अनुसार बस सुबह 8:00 बजे लखनऊ के कैसरबाग बस अड्डे से रवाना होकर दोपहर 2:00 बजे गौरीफंटा पहुंचेगी। वापसी में बस 2:30 बजे गौरीफंटा से चलकर 3:00 बजे दुधवा पहुंचेगी और 3:30 बजे दुधवा से लखनऊ के लिए रवाना होकर रात 9:00 बजे कैसरबाग पहुंचेगी। लखनऊ से दुधवा तक का किराया 487 रुपये तथा लखनऊ से गौरीफंटा तक 536 रुपये निर्धारित किया गया है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि बस सेवा के विस्तार से पर्यटकों को दुधवा के साथ-साथ उससे आगे स्थित गौरीफंटा और आसपास के प्राकृतिक क्षेत्रों को देखने का अवसर मिलेगा। यह सुविधा प्रकृति प्रेमियों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होगी। दुधवा नेशनल पार्क बाघ, एक सींग वाले गैंडे, हाथी, बारहसिंघा, घड़ियाल सहित 450 से अधिक पक्षी प्रजातियों का सुरक्षित आवास है।

पर्यटकों की मांग पर हुआ विस्तार

अब तक यह बस सेवा केवल दुधवा नेशनल पार्क तक सीमित थी, जिसे मुख्य रूप से प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों की सुविधा के लिए शुरू किया गया था। पर्यटकों की बढ़ती संख्या और बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता को देखते हुए परिवहन विभाग ने इस सेवा को गौरीफंटा तक बढ़ाने का निर्णय लिया है।

पुलिस मुठभेड़ में पांच आरोपी दबोचे गए, दो बदमाशों के पैर में लगी गोली

बलिया में चखना विक्रेता की गोली मारकर हत्या, एनकाउंटर

बलिया। बलिया जिले के रसड़ा कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार रात एक युवक की सरेआम गोली मारकर हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। हत्या के बाद हरकत में आई पुलिस ने एसओजी और स्वाट टीम के सहयोग से आठ घंटे के भीतर मुठभेड़ कर सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है।

शराब की दुकान के पास वारदात

घटना रसड़ा–नगरा मार्ग पर राघोपुर चट्टी के पास स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान के निकट हुई। यहां चखना बेचने वाले 48 वर्षीय संतोष सिंह उर्फ बागी पुत्र राम अवध सिंह, निवासी बेलसड़ी थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर, रात करीब दस बजे दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने उन्हें घेरकर गोली मार दी। अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश शुक्ल ने बताया कि संतोष सिंह के सिर और पेट में गोली लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस के अनुसार आरोपी मृतक के परिचित थे।

चखना के पैसे को लेकर हुआ विवाद

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चखना के पैसे को लेकर हुए विवाद ने हत्या का रूप ले लिया। मृतक के परिजनों की तहरीर पर रसड़ा कोतवाली में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटनास्थल का फॉरेंसिक टीम द्वारा परीक्षण भी किया गया। हत्या के बाद पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान कटहुरा मोड़ के पास स्वाट टीम और रसड़ा पुलिस द्वारा संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया, जिस पर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में मंजीत सिंह उर्फ ओम सिंह और संदीप सिंह उर्फ गोलू सिंह, दोनों निवासी थाना कासिमाबाद गाजीपुर, के पैर में गोली लगी। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने तीन अन्य आरोपियों—अतुल सिंह उर्फ बब्बू, बृजेश सिंह, प्रवीण सिंह उर्फ गोलू और प्रभात सिंह उर्फ बंटी—को दौड़ाकर गिरफ्तार कर लिया।

व्यापार जगत

2025: NSE का मार्केट कैप 469 लाख करोड़ के पार

निवेश और पूंजी निर्माण में नई मजबूती, निफ्टी में करीब 10 फीसदी की तेजी

मुंबई। वर्ष 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए मजबूती और स्थिरता का वर्ष साबित हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सालाना आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक आर्थिक उतार–चढ़ाव के बावजूद घरेलू पूंजी बाजार ने निवेशकों का भरोसा कायम रखा और बाजार पूंजीकरण, पूंजी निर्माण तथा निवेशक भागीदारी—तीनों मोर्चों पर उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की। एनएसई के 50 शेयरों पर आधारित प्रमुख सूचकांक निफ्टी ने वर्ष 2025 में मजबूत प्रदर्शन किया। निफ्टी 23,645 के स्तर से बढ़कर 25,966 पर पहुंच गया, जो लगभग 9.8 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। प्रमुख सूचकांकों ने औसतन 9–10 फीसदी का रिटर्न दिया, जिससे बड़े शेयरों में निवेश करने वालों को लाभ मिला।

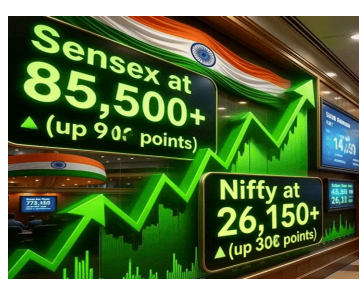

पूंजी निर्माण में तेज रफ्तार जारी

इक्विटी, डेट और बिजनेस ट्रस्ट के माध्यम से वर्ष 2025 में कुल 19.17 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए, जो 2024 के मुकाबले लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। इक्विटी से 4.12 लाख करोड़ रुपये, डेट के जरिए 14.72 लाख करोड़ रुपये इस दौरान डेट बाजार में करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

मार्केट कैप में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि

एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 439 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 469 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 6.8 प्रतिशत की वृद्धि है। एनएसई का मार्केट कैप–जीडीपी अनुपात 136 फीसदी रहा, जो पिछले वर्ष के समान स्तर पर बना रहा और बाजार की स्थिरता को दर्शाता है।

IPO बाजार में भी दमदार प्रदर्शन

प्राथमिक बाजार में भी गतिविधियां तेज रहीं। वर्ष 2025 में 101 मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए 1.71 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए, जबकि 112 एसएमई आईपीओ से 5,589 करोड़ रुपये का निवेश आया। मेनबोर्ड आईपीओ के मामले में महाराष्ट्र, दिल्ली–एनसीआर और कर्नाटक अग्रणी रहे। एनएसई इक्विटी डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग में दुनिया में पहले स्थान पर रहा। वैश्विक स्तर पर कुल कॉन्ट्रैक्ट्स में इसकी हिस्सेदारी 53.2 प्रतिशत रही। नई लिस्टिंग के मामले में एनएसई ने दूसरा स्थान हासिल किया, जहां इसकी वैश्विक हिस्सेदारी 16.2 प्रतिशत रही। कॉर्पोरेट बॉन्ड ट्रेडिंग में भी तेजी देखने को मिली। ओटीसी और आरएफक्यू सेगमेंट में कारोबार बढ़ा और आरएफक्यू टर्नओवर में सालाना 52.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। वर्ष 2025 तक देश में रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या बढ़कर 12.4 करोड़ पहुंच गई। सिर्फ एक साल में 1.5 करोड़ नए निवेशक जुड़े। निवेशक आधार में 13.9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु से सबसे अधिक

टाइटन का नया कदमः लैब ग्रोन डायमंड के कारोबार में एंट्री

मुंबई में खुलेगा टाइटन का पहला स्टोर

'बीऑन – फ्रॉम द हाउस ऑफ टाइटन' ब्रांड से होगी शुरुआत

महिलाओं की लाइफस्टाइल वाली जरूरतों पर रहेगा फोकस

मुंबई। देश की प्रमुख आभूषण एवं लाइफस्टाइल कंपनी टाइटन समूह ने प्रयोगशाला में बने हीरे (लैब-ग्रोन डायमंड) के क्षेत्र में कदम रखते हुए मुंबई में अपना पहला स्टोर खोलने की घोषणा की है। कंपनी 29 दिसंबर को 'बीऑन – फ्रॉम द हाउस ऑफ टाइटन' नाम से यह स्टोर शुरू करेगी। टाइटन के अनुसार, नया ब्रांड महिलाओं की आभूषण संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो घड़ियों, साड़ियों, इत्र और हैंडबैग जैसी पारंपरिक लाइफस्टाइल श्रेणियों से आगे बढ़कर आधुनिक आभूषण विकल्प उपलब्ध कराएगा।

लैब-ग्रोन डायमंड आभूषणों की पेशकश

'बीऑन' ब्रांड के तहत प्रयोगशाला में बने हीरों से तैयार आभूषणों की चयनित श्रृंखला पेश की जाएगी। कंपनी का कहना है कि यह श्रेणी तेजी से लोकप्रिय हो रही है और बीते दो-तीन वर्षों में भारतीय बाजार में इसकी मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है टाइटन ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में टाटा समूह के तहत मुंबई और दिल्ली में दो और स्टोर शुरू किए जाएंगे। इसके जरिए कंपनी लैब-ग्रोन डायमंड सेगमेंट में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने की तैयारी में है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट

सेंसेक्स–निफ्टी कमजोर दोनों लाल निशान पर

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी निवेशकों की बिकवाली, रुपये में कमजोरी, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और चुनिंदा सेक्टरों में मुनाफावसूली ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया। दिनभर के उतार–चढ़ाव के बाद बीएसई सेंसेक्स 367.25 अंक यानी 0.43 प्रतिशत टूटकर 85,041.45 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 99.80 अंक या 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,042.30 पर बंद हुआ।

शुरुआत में तेजी, बाद में बिकवाली हावी

कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई, हालांकि शुरुआती 15 मिनट में खरीदारी से बाजार संभलता दिखा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ गया और दोनों प्रमुख सूचकांक दिन के निचले स्तर तक फिसल गए। अंतिम घंटे में कुछ रिकवरी देखने को मिली, लेकिन गिरावट बरकरार रही।मेटल, कमोडिटी, पीएसयू और एफएमसीजी शेयरों में आंशिक खरीदारी देखी गई। दूसरी ओर ऑटो, आईटी और फार्मा सेक्टर में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी कमजोर बंद हुए।

टॉप गेनर्स और लूजर्स

आज के कारोबार में टाइटन, नेस्ले, हिंडाल्को, सिप्ला और एनटीपीसी प्रमुख गेनर्स रहे। वहीं एशियन पेंट्स, श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा, बजाज ऑटो और सन फार्मा टॉप लूजर्स की सूची में शामिल रहे। कुल मिलाकर कमजोर वैश्विक संकेतों और घरेलू कारकों के चलते शेयर बाजार पर दबाव बना रहा, जिससे निवेशकों की चिंता बढ़ गई।

मिडकैप और स्मॉलकैप पर दबाव

ब्रॉडर मार्केट में भी कमजोरी रही। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.18 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में आई गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में भारी कमी आई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन घटकर 473.94 लाख करोड़ रुपये रह गया, जिससे एक ही दिन में करीब 1.06 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। बीएसई में 4,379 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें 1,745 शेयरों में तेजी और 2,455 में गिरावट दर्ज की गई।

चांदी की कीमतें आसमान पर, चेन्नई में सबसे महंगी

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, भाव में नहीं दिख रही नरमी

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों में नरमी के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। गुरुवार को चांदी के भाव में मामूली बढ़त दर्ज की गई, जिससे देशभर के बाजारों में इसकी कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहीं। अधिकांश शहरों में चांदी 100 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हुई है।

अलग-अलग शहरों में क्या रहे भाव

आज देश के विभिन्न सर्राफा बाजारों में चांदी 2,33,900 रुपये से लेकर 2,45,100 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच कारोबार करती दिखी। दिल्ली में चांदी 2,34,100 रुपये प्रति किलो रही, जबकि मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में इसके भाव 2,33,900 रुपये दर्ज किए गए। जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,34,200 रुपये प्रति किलो, बेंगलुरु में 2,34,400 रुपये और पटना व भुवनेश्वर में 2,34,000 रुपये प्रति किलो के स्तर पर रही। हैदराबाद में चांदी 2,44,100 रुपये प्रति किलो बिकी। सबसे अधिक कीमत चेन्नई में दर्ज की गई, जहां चांदी 2,45,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

बढ़ती मांग और सीमित आपूर्ति का असर

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक चांदी की कीमतों में मजबूती की मुख्य वजह मांग में लगातार इजाफा और आपूर्ति की कमी है। अब चांदी केवल आभूषण ही नहीं, बल्कि सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में भी खरीदी जा रही है। सिल्वर ईटीएफ में बढ़ता निवेश भी मांग को सहारा दे रहा है। अमेरिका में ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीद और चीन द्वारा 2026 के बाद चांदी निर्यात पर प्रतिबंध की आशंका ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों को मजबूती दी है।

रिटर्न में सोने से आगे निकली चांदी

टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव के अनुसार, रिटर्न के मामले में इस साल चांदी ने सोने को पीछे छोड़ दिया है। वर्ष 2025 में जहां सोने की कीमतों में करीब 65 प्रतिशत की बढ़त हुई, वहीं चांदी में 120 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। सोलर पैनल, ग्रीन एनर्जी और नई तकनीकों से जुड़े उद्योगों में बढ़ती मांग के चलते चांदी के दाम फिलहाल ऊंचे स्तर पर बने रहने के संकेत दे रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

छह हजार करोड़ के घोटाले में मलेशिया के पूर्व पीएम नजीब दोषी

पुत्रजय। मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को शुक्रवार को अरबों डॉलर के 1एमडीबी भ्रष्टाचार मामले में दोषी करार दिया गया है। वर्तमान में वह जेल में बंद हैं। मलेशिया की हाईकोर्ट ने 72 वर्षीय नजीब को सत्ता के दुरुपयोग के चार मामलों में दोषी पाया। मनी लॉन्ड्रिंग में भी वह आरोपित हैं। नजीब ने पद पर रहते हुए 1एमडीबी कोष से छह हजार करोड़ रुपये अपने निजी बैंक खातों में स्थानांतरित किए थे। कोर्ट में नजीब ने दावा किया था कि यह राशि सऊदी अरब से प्राप्त राजनीतिक चंदा था, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। न्यायधीश कॉलिन लॉरेंस सेक्वेरा ने कहा कि सबूतों से साफ होता है कि यह राशि 1एमडीबी से ही ली गई है।

एआई से बनी तस्वीर शेयर करने के आरोप में नेता पर मामला दर्ज

कोझिकोड। कांग्रेस नेता के खिलाफ एआई से बनी एक तस्वीर शेयर करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इसमें मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन सबरीमाला सोना चोरी मामले के आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी के साथ दिख रहे हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। मामला केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के सदस्य करुवत्तूर के एन सुब्रमण्यम के खिलाफ दर्ज किया गया है। चेवायूर पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के अनुसार सुब्रमण्यम ने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट शेयर किया था।

मणिपुर में 40 करोड़ की नशीली गोलियां जब्त, एक गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के जिरीबाम जिले में असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में करीब 40 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित याबा गोलियां जब्त की गई हैं। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है। असम राइफल्स की ओर से जारी बयान के अनुसार, 24 दिसंबर को जिरीबाम में चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान एक लाख 60 हजार याबा गोलियां बरामद की गईं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी अनुमानित कीमत लगभग 40 करोड़ रुपये बताई गई है।

कानून के विकसित होने का संकेत है मध्यस्थता : सीजेआई सूर्यकांत

पणजी। सीजेआई सूर्यकांत ने शुक्रवार को कहा कि मध्यस्थता, कानून के कमजोर होने का नहीं बल्कि इसके बेहद विकसित होने का संकेत है। प्रधान न्यायाधीश दक्षिण गोवा के सांकोले गांव में भारतीय अंतरराष्ट्रीय विधि शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह एक ऐसे न्यायालय की कल्पना करते हैं, जहां न्यायालय केवल मुकदमे की सुनवाई का स्थान न हो बल्कि विवाद समाधान का एक व्यापक केंद्र हो। उन्होंने कहा कि न्यायिक निर्णय की संस्कृति से सहभागिता की संस्कृति की ओर बढ़ना है, जहां हम सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। इससे पहले, सीजेआई ने पणजी में कला अकादमी के पास मध्यस्थता जागरुकता के लिए एक प्रतीकात्मक पदयात्रा में भाग लिया।

देश के 20 नौनिहालों को मिला 'राष्ट्रीय बाल पुरस्कार'

एजेंसी । नई दिल्ली

वीर बाल दिवस के अवसर पर देश के 20 नौनिहालों को साहसिक कृत्यों और खेल, विज्ञान व कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपने परिवार, समाज और पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने आशा जताई कि इन बच्चों से अन्य बच्चे भी प्रेरणा लेंगे और आगे बढ़ेंगे।

साहिबजादों के बलिदान की स्मृति

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि पुरस्कार पाने वाले बच्चे आगे भी अच्छे कार्य करते रहेंगे और भारत के भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे। उन्होंने वीर बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि करीब 300 वर्ष पहले गुरु गोविन्द सिंह के चार साहिबजादों ने सत्य और न्याय के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। गुरु के छोटे साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह की शहादत की स्मृति में वर्ष 2022 से हर साल 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जा रहा है।

मरणोपरांत सम्मान और श्रवण की मिसाल

इस अवसर पर बिहार के 11 वर्षीय कमलेश और तमिलनाडु की 8 वर्षीय व्योमा प्रिया को मरणोपरांत राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया गया। कैमूर के कमलेश ने दुर्गावती नदी में बह रहे बच्चे को बचाते हुए अपनी जान गंवाई, जबकि व्योमा प्रिया ने पार्क में खेलते समय एक बच्चे को करंट से बचाने की कोशिश में प्राण न्योछावर कर दिए। दोनों के परिजनों ने पुरस्कार ग्रहण किया। वहीं, पंजाब के फिरोजपुर निवासी 10 वर्षीय श्रवण सिंह को 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सैनिकों की मदद के लिए सम्मानित किया गया। श्रवण ने अभियान के समय जवानों के लिए दूध, चाय, छाछ और बर्फ पहुंचाकर सेवा की

इनको मिला सम्मान

खेल

वैभव सूर्यवंशी, बिहार : 14 वर्षीय वैभव विस्फोटक बल्लेबाज के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से उभर रहे हैं, गत एक वर्ष में वैभव ने हर फॉर्मेट में अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में जगह बनाई है।

वाका लक्ष्मी प्रज्ञिका, गुजरात : सूरत की रहने वाली सात वर्षीय प्रज्ञिका 2025 में 'फिडे वर्ल्ड स्कूल चेस चैंपियनशिप' में अंडर-7 बालिका श्रेणी में विश्व चैंपियन बनीं, उन्होंने स्पर्धा के दौरान सभी नौ मुकाबले जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

अनुष्का, झारखंड : 14 वर्षीय फुटबॉलर अनुष्का को हाल में अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम में शामिल किया गया है, उनकी मां दिहाड़ी श्रमिक हैं जबकि पिता बीमार रहते हैं, इसके बावजूद अनुष्का ने खेल के प्रति अपना रुझान बनाए रखा।

योगिता मंडावी, छत्तीसगढ़ : कुछ समय पहले तक नक्सल प्रभावित रहे इलाके में जन्मी योगिता ने बचपन में ही माता-पिता को खो दिया था, 14 साल की योगिता जूडो की राष्ट्रीय स्तरीय खिलाड़ी हैं और कई राष्ट्रीय पदक हासिल कर चुकी हैं, उन्हें खेल में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया।

जोशना साबर, ओडिशा : गजपति की रहने वाली जोशना के पिता श्रमिक हैं, उन्होंने कतर के दोहा में आयोजित एशियाई यूथ वेटलिफ्टिंग में 40 किलो भारवर्ग में जोशना ने तीन स्वर्ण पदक जीतकर रिकॉर्ड कायम किया।

विश्वनाथ कार्तिकेय पदकांति, तेलंगाना : मेडचल मलकागिरी निवासी 16 वर्षीय विश्वनाथ ने मई 2025 में दुनिया के सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों (सेवन समिट्स) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की, वह ऐसा करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय और दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के पर्वतारोही हैं।

शिवानी होसरु उप्परा, आंध्र प्रदेश : 17 वर्षीय शिवानी ने शॉटपुट और भाला फेंक में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर पर आठ से अधिक पुरस्कार जीते हैं, उन्होंने थाईलैंड में 2023 में आयोजित प्रतियोगिता में अंडर 20 चैंपियन का खिताब जीता।

ज्योति, हरियाणा : सिरसा की रहने वाली ज्योति पैरा एथलीट हैं, उन्होंने शॉटपुट, भाला और डिस्कस थ्रो में कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं, एक पैर छोटा होने के बावजूद ज्योति ने हिम्मत नहीं हारी और मेहनत से खेल की दुनिया में प्रदर्शन जारी रखा।

धीनिधि देसिंघु, कर्नाटक : 15 वर्षीय धीनिधि 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 57 सेकंड से कम समय लेने वाली पहली भारतीय महिला तैराक हैं, उन्होंने कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किए हैं, धीनिधि ने राष्ट्रीय खेलों में नौ स्वर्ण समेत कुल 11 पदक जीते हैं।

जेन Z और जेन अल्फा हमें विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएंगे: पीएम मोदी

केरल में पहली बार भाजपा का बना मेयर

- तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन से वीवी राजेश चुने गए
- 4 दशक से लेफ्ट का था कब्जा

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरल में पहली बार भाजपा का मेयर चुना गया है। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में शुक्रवार को हुए मेयर चुनाव में भाजपा के वीवी राजेश को 51 वोट मिले। जिसमें एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन भी शामिल था। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) के पी शिवाजी को 29 वोट, जबकि कांग्रेस गठबंधन (UDF) उम्मीदवार केएस सबरिनाथन को 19 वोट मिले। जिनमें से दो को बाद में अमान्य घोषित कर दिया गया।

50 वार्डों पर जीती थी भाजपा

दरअसल 9 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों का रिजल्ट आया था। 50 वार्डों पर भाजपा जीती थी। पिछले 45 साल से यहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) का कब्जा था। LDF ने 29 और कांग्रेस गठबंधन (UDF) ने 19 वार्ड जीते थे। तिरुवनंतपुरम कांग्रेस सांसद शशि थरूर का गढ़ है।

6 कॉर्पोरेशन में भाजपा को सिर्फ 1 सीट मिली

राज्य के छह नगर निगमों (कॉर्पोरेशन) में से यूडीएफ ने चार जीते, जबकि एलडीएफ और बीजेपी को एक-एक जीत मिली थी। कोल्लम कॉर्पोरेशन में, यूडीएफ के एके हफीज मेयर चुने गए, जबकि कोच्चि कॉर्पोरेशन में यूडीएफ पार्षद वीके मिनिमोल, जो चार बार की पार्षद हैं उन्हें मेयर चुना गया। त्रिशूर कॉर्पोरेशन में यूडीएफ की डॉ. निजि जस्टिन मेयर चुनी गईं। एक अन्य पार्षद लाली जेम्स ने आरोप लगाया कि पार्टी नेताओं ने उनसे रिश्वत ली फिर भी उन्हें यह पद नहीं दिया गया। कोझिकोड कॉर्पोरेशन में एलडीएफ ने अधिकांश वार्ड जीते जबकि कन्नूर कॉर्पोरेशन में, यूडीएफ उम्मीदवार पी इंदिरा मेयर चुनी जाएंगी। पाला नगर पालिका में 21 साल की दिया बिनु पुलिक्कनकांडम यूडीएफ के समर्थन से चेयरपर्सन चुनी गईं। वह केरल की सबसे कम उम्र की नगर पालिका चेयरपर्सन बन गईं हैं।

भारत में बच्चों के लिए सोशल-मीडिया बैन हो: मद्रास हाईकोर्ट

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को सुझाव दिया कि ऑस्ट्रेलिया की तरह भारत में भी 16 साल से कम उम्र वालों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई जाए। कोर्ट ने कहा कि इसपर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। मदुरै बेंच की डिविजन बेंच जस्टिस जी जयचंद्रन और जस्टिस के के रामकृष्णन ने यह बात नाबालिगों को ऑनलाइन पोर्नोग्राफिक कंटेंट आसानी से मिल जाने के मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कही। याचिकाकर्ता एस विजयकुमार के वकील के पी एस पलानीवेल राजन ने ऑस्ट्रेलिया के नए कानून का हवाला दिया था। कोर्ट ने कहा कि इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स (ISP) पर और सख्त नियम लागू किए जाएं। उन्हें अनिवार्य रूप से पैरेंटल विंडो सर्विस (पैरेंटल कंट्रोल) देने के लिए कहा जाए, जिससे माता-पिता अपने बच्चों की ऑनलाइन एक्टिविटी को फिल्टर और कंट्रोल कर सकें।

याचिका में क्या मांग की गई

यह मामला एक पुरानी जनहित याचिका से जुड़ा है, जिसमें शिकायत की गई थी कि बच्चों को इंटरनेट पर अश्लील और पोर्नोग्राफिक कंटेंट बहुत आसानी से मिल जाती है। इस पर रोक के लिए ठोस व्यवस्था नहीं है। याचिका में मांग की गई थी कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR), तमिलनाडु बाल अधिकार आयोग और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स को निर्देश दिया जाए कि वे पैरेंटल कंट्रोल सिस्टम लागू करें और स्कूलों व समाज में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं।

तुर्किये ने आईएस के 115 संदिग्धों को हिरासत में लिया

इस्तांबुल। तुर्किये की पुलिस ने एक साथ 124 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह के 115 संदिग्ध सदस्यों को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने बताया कि इन संदिग्धों पर क्रिसमस और नववर्ष के समारोहों पर हमलों की साजिश रचने का आरोप है। इस्तांबुल के मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय ने एक बयान में कहा कि पुलिस को सूचना मिली थी कि आतंकवादी समूह ने जश्न के दौरान, खासतौर पर गैर-मुस्लिम समुदाय के लोगों को निशाना बनाने का आह्वान किया था। बयान में कहा गया कि कार्यालय ने 137 संदिग्धों के खिलाफ वारंट जारी किए थे, जिनमें से 115 को हिरासत में लिया गया है। छापेमारी की कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने कई हथियार, कारतूस और दस्तावेज भी जब्त किए।

त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष विश्व बंधु सेन का निधन

बेंगलुरु। त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष विश्व बंधु सेन का शुक्रवार को बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। अधिकारियों ने बताया कि 72 वर्षीय सेन को गंभीर मस्तिष्काघात (सेरेब्रल स्ट्रोक) हुआ था, जिसके बाद से वह बेंगलुरु के अस्पताल में उपचाराधीन थे। वरिष्ठ नेता सेन के परिवार में उनकी पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री हैं। अधिकारियों ने बताया कि सेन का पार्थिव शरीर शनिवार को राज्य में लाया जाएगा। सेन उत्तरी त्रिपुरा जिले के धर्मनगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे।

प्रधानमंत्री मोदी, सीएम माणिक साहा और लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने उनके निधन पर शोक जताया। मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष विश्व बंधु सेन के निधन से गहरा दुख हुआ। त्रिपुरा की प्रगति में उनके योगदान और अनेक सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को हमेशा याद किया जाएगा। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सेन के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, विश्व बंधु सेन के असामयिक निधन से गहरा दुख हुआ।

पाकिस्तान में अब भी 20 लाख से अधिक अफगान शरणार्थी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से 10 लाख से अधिक लोगों के निर्वासन के बावजूद अब भी देश में 20 लाख से अधिक अफगान शरणार्थी रह रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) के हवाले से बताया कि नवंबर महीने में ही 1.71 लाख अफगान नागरिक स्वदेश लौटे। इनमें से 37,899 लोगों को चमन, तोरखम और बाराबचा सीमाओं के जरिए निर्वासित किया गया।

नवंबर में बढ़ा प्रत्यावर्तन, सीमा तनाव से राहत कार्य प्रभावित

यूएनएचसीआर के अनुसार, नवंबर में उसके प्रत्यावर्तन केंद्रों के माध्यम से 31,500 से अधिक प्रूफ ऑफ रजिस्ट्रेशन (पीओआर) कार्डधारकों को भी अफगानिस्तान भेजा गया। इसी दौरान पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर बढ़े तनाव के कारण मानवीय सहायता कार्य प्रभावित हुए और सीमा पार आवाजाही पर प्रतिबंध लगा रहा, जिससे राहत अभियानों में बाधाएं आईं। सीमा तनाव के चलते संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों को चमन सीमा क्षेत्र से अस्थायी रूप से हटना पड़ा। वहीं पाकिस्तान सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और पंजाब प्रांतों के सभी 54 शरणार्थी गांवों की आधिकारिक मान्यता रद्द कर दी है और अफगान नागरिकों से स्वदेश लौटने का लगातार आग्रह कर रही है।

कांग्रेस सीडब्ल्यूसी की अहम बैठक आज

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस के शीर्ष नेता शनिवार को नई दिल्ली में होने वाली कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में मौजूदा राजनीतिक हालात और सरकार के खिलाफ आगे की रणनीति पर विचार करेंगे। यह बैठक सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को हटाकर नए वीबी-जी रामजी (ग्रामीण) कानून लागू किए जाने के बाद बुलाई गई है। यह कांग्रेस की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था सीडब्ल्यूसी की विस्तारित बैठक होगी, जिसमें कांग्रेस शासित राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस कमेटियों (पीसीसी) के अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद यह सीडब्ल्यूसी की पहली बैठक होगी। बैठक ऐसे समय हो रही है, जब अगले वर्ष असम, केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में कांग्रेस अपनी राजनीतिक और चुनावी रणनीति पर भी मंथन कर सकती है।

स्पोर्ट्स

नॉकआऊट चक्र में मुंबई और उपनगर की टीमें

मुंबई। वडाला स्थित फिजिकल एजुकेशन मंडल मैदान पर खेले जा रही 39वीं राज्य स्तरीय खो-खो चैंपियनशिप (लड़के और लड़कियां) में दूसरे दिन मुंबई और मुंबई उपनगर की टीमें नॉकआऊट चक्र में प्रवेश करने में सफल रहीं। इन दोनों के अलावा धाराशिव, पुणे, अहमदनगर, सोलापुर, सांगली और सतारा की टीमें भी जोरदार प्रदर्शन करके नॉकआऊट चक्र में जगह बना ली। लड़कों के वर्ग में मेजबान मुंबई और परभणी के टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें मुंबई की टीम 26-25 से विजयी रही। जबकि मुंबई उपनगर ने हिंगोली की टीम को 32-5 से और धाराशिव ने बीड़ को 28-10 से पराजित किया। दूसरी लड़कियों के वर्ग में लातुर ने छत्रपति संभाजीनगर को 26-24 से और जालना ने नांदेड़ को 31-24 से मात दी।

चिंताजनक | ऑस्ट्रेलियन टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन ने जारी की चेतावनी

भारत में मिल रही नकली रेबीज वैक्सीन

देश में हर साल 20,000 लोगों की मौतें

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में वैक्सीन के लिए काम करने वाली सरकार की संस्थान ऑस्ट्रेलियन टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन (ATAGI) ने शुक्रवार को भारत में इस्तेमाल होने वाली रेबीज वैक्सीन के लिए चेतावनी जारी की है। ये चेतावनी ABHAYRAB ब्रांड के लिए जारी की गई है। चेतावनी में कहा गया है ABHAYRAB ब्रांड की वैक्सीन नकली है और रेबीज बीमारी के लिए फायदेमंद नहीं है। नंवबर 2023 से ये नकली वैक्सीन सप्लाई हो रही है। ATAGI के मुताबिक नकली वैक्सीन में सही मात्रा में एक्टिव इंग्रीडिएंट नहीं हैं। ABHAYRAB का इस्तेमाल ऑस्ट्रेलिया में नहीं होता है, इसलिए यह एडवाइजरी मुख्य रूप से उन यात्रियों के लिए है जिन्होंने नवंबर 2023 के बाद भारत में वैक्सीन लगवाई थी। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने ऐसे लोगों को सलाह दी है कि वे उन डोज को संभावित रूप से अमान्य मानें और उन्हें Rabipur या Verorab जैसी रजिस्टर्ड वैक्सीन से बदलें।

ऑस्ट्रेलियाई चेतावनी भारत के लिए क्यों अहम है?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मुताबिक, भारत में हर साल अनुमानित 18,000 से 20,000 लोगों की मौत रेबीज से होती है। इनमें अधिकांश मामलों में कारण कुत्तों का काटना होता है। औसतन हर 30 मिनट में एक मौत दर्ज होती है। रेबीज के लक्षण सामने आने के बाद यह बीमारी लगभग हमेशा जानलेवा साबित होती है और इसका कोई भरोसेमंद इलाज नहीं है। मरीज का बचना पूरी तरह समय पर और सही पोस्ट-एक्सपोजर ट्रीटमेंट पर निर्भर करता है। इसमें घाव को तुरंत और अच्छी तरह धोना, तय शेड्यूल के अनुसार सही वैक्सीन लगवाना और गंभीर मामलों में रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन (RIG) देना शामिल है।

हाल ही में ठाणे में छह साल की बच्ची की रेबीज से मौत हुई

महाराष्ट्र के ठाणे में छह साल की एक बच्ची की हालिया मौत के मामले ने रेबीज रोकथाम में मौजूद खामियों को उजागर किया है। बताया गया कि बच्ची को वैक्सीन की चार डोज दी गई थीं, फिर भी उसकी मौत हो गई। मामले की जांच जारी है। इस केस में शामिल डॉक्टरों के बयान अलग-अलग रहे हैं। एक विशेषज्ञ का कहना है कि संभवतः रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन नहीं दिया गया, जबकि नागरिक स्वास्थ्य अधिकारियों का दावा है कि यह दिया गया था।ऑस्ट्रेलियाई एडवाइजरी में रेबीज वैक्सीनेशन का पूरा रिकॉर्ड रखने पर जोर दिया गया है। यदि किसी व्यक्ति को नवंबर 2023 के बाद अभयरैब वैक्सीन लगी है, या इस्तेमाल की गई वैक्सीन का ब्रांड स्पष्ट नहीं है, तो ATAGI हेल्थकेयर प्रोवाइडर से परामर्श लेने की सलाह देता है।

DBD 8
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पॉंसिबिलिटी है
मुंबई
शनिवार, 27 दिसंबर 2025

कोने-कोने से...

पुणे महानगर पालिका चुनाव: गोरहे के आवास के बाहर प्रदर्शन

पुणे। पुणे महानगरपालिका चुनाव के लिए भाजपा द्वारा दिए गए 15 सीट के 'प्रस्ताव' के विरोध में शिवसेना कार्यकर्ताओं ने पार्टी की वरिष्ठ नेता नीलम गोरहे के आवास के बाहर शुक्रवार को प्रदर्शन किया। इससे पहले दिन में गोरहे ने पत्रकारों को बताया कि शिवसेना ने 35 सीट की मांग की थी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने शुरू में 12 सीट की पेशकश की थी, लेकिन पार्टी नेताओं द्वारा शिवसेना प्रमुख व उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उद्योग मंत्री उदय सामंत से बात किए जाने के बाद प्रस्ताव को संशोधित कर 15 सीट कर दिया। हालांकि, यह प्रस्ताव कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं और टिकट दावेदारों को पसंद नहीं आया और वे गोरहे के आवास के बाहर एकत्र हो गए और विरोध जताया। पार्टी के एक कार्यकर्ता ने पूछा, 'पार्टी किस आधार पर टिकट बांटेगी? अगर हमारी मांग 35 से 40 सीट की थी, तो नेताओं ने सिर्फ 15 सीट को क्यों स्वीकार कर लिया।'

25 साल बाद मनपा चुनाव में लौटे नवी मुंबई के 14 गांव

नवी मुंबई। नवी मुंबई मनपा क्षेत्र में 14 गांवों की भागीदारी और विकास कार्यों पर हुए खर्च को लेकर नवी मुंबई की विभिन्न राजनीतिक पार्टियां आरोप-प्रत्यारोप में उलझी हुई हैं, लेकिन चुनाव 14 गांवों की भागीदारी के साथ ही होंगे, इसलिए 25 साल बाद इन 14 गांवों से चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों ने साक्षात्कार दिए हैं। इन गांवों के मतदाता मनपा के वार्ड संख्या 14 में मतदान कर रहे हैं और इन 14 गांवों से कुल 14 हजार मतदाता हैं। नवी मुंबई मनपा से बाहर किए गए 14 गांवों को वापस नवी मुंबई मनपा में शामिल करने का निर्णय तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 22 मार्च, 2024 को घोषित किया था।

महापालिका चुनाव से पहले भाजपा–शिंदे गुट का सीट बंटवारे का पेंच सुलझा

नागपुर। राज्य में महापालिका चुनावों की सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) की महायुति को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। आगामी महानगरपालिका चुनावों के मद्देनज़र नागपुर में भाजपा और महायुति की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें विदर्भ की चार प्रमुख महानगरपालिकाओं–नागपुर, अकोला, अमरावती और चंद्रपुर–में मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला लिया गया है। इस बैठक के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि इन चारों महानगरपालिकाओं के लिए भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच गठबंधन तय हो चुका है। सीट बंटवारे को लेकर भी विस्तृत चर्चा पूरी हो गई है और कल शाम तक आधिकारिक सीट शेयरिंग सूची जारी कर दी जाएगी। चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि नागपुर महानगरपालिका के लिए भाजपा–शिवसेना महायुति पर अंतिम मुहर लग चुकी है। हालांकि, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को लेकर अभी औपचारिक चर्चा नहीं हुई है।

जेन जी

महानगरपालिका चुनाव सिर्फ राजनीति नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा मुद्दा है। पानी की समस्या, कचरा प्रबंधन, ट्रैफिक और स्वच्छता जैसे स्थानीय सवालों पर ठोस और समयबद्ध काम होना चाहिए।

– पवन रस्तोगी, भिवंडी

महानगरपालिका चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा बुनियादी सुविधाओं का है। साफ पानी, बेहतर सड़कों, कचरा प्रबंधन और सुरक्षित मोहल्लों पर तुरंत और ईमानदार काम होना चाहिए, ताकि आम नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याएं वास्तव में हल हो सकें।

–आकाश गुप्ता, घाटकोपर

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

विश्लेषण

पनवेल महानगरपालिका

बदले समीकरणों के बीच बीजेपी की सियासी परीक्षा

धीरज सिंह । पनवेल

लंबे इंतज़ार के बाद पनवेल महानगरपालिका के लिए 15 जनवरी 2026 को चुनाव कराने की घोषणा हो चुकी है। पनवेल को महाराष्ट्र की पहली नगरपालिका के रूप में जाना जाता है, जिसकी स्थापना 25 अगस्त 1852 को हुई थी। इसके बाद, 1 अक्टूबर 2016 को इसे पनवेल नगर निगम में परिवर्तित कर दिया गया और इसका पहला चुनाव 2017 में हुआ। इसके बाद 2022 में चुनाव होने थे, लेकिन कोरोना महामारी और तकनीकी कारणों से यह प्रक्रिया टलती चली गई। नतीजतन, अन्य महानगरपालिकाओं की तरह पनवेल में भी प्रशासनिक शासन चलता रहा।

पुरानी वार्ड संरचना पर चुनाव

पनवेल नगर परिषद, सीआईडीसीओ क्षेत्र और 29 राजस्व गांव शामिल किए गए थे। 110 वर्ग किलोमीटर में फैले निगम की वार्ड संरचना 2011 की जनगणना पर आधारित रही है, जिसमें खारघर, कलांबोली, कामोठे, न्यू पनवेल और मुख्य पनवेल शहर को अलग-अलग वार्डों में विभाजित किया गया था। मौजूदा संकेतों के अनुसार, 2026 का चुनाव भी काफी हद तक इसी पुरानी वार्ड संरचना पर होने की संभावना है।

स्थानीय मुद्दे और चुनावी एजेंडा

पनवेल नगर निगम क्षेत्र में ग्रामीण, शहरी और सीआईडीसीओ क्षेत्र शामिल होने के कारण बुनियादी सुविधाओं का सवाल प्रमुख है। पानी आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था और सार्वजनिक परिवहन लंबे समय से चुनावी मुद्दे रहे हैं। 2017 में भाजपा ने इन मुद्दों के साथ सत्ता हासिल की थी और अब भी विकास कार्यों को ही अपना मुख्य एजेंडा बता रही है।

भाजपा, शिवसेना और गठबंधन की राजनीति

2017 में 78 में से 51 पार्षद जीतकर भाजपा ने नगर निगम पर दबदबा बनाया था। पिछली बार शिवसेना का खाता भी नहीं खुला था, लेकिन इस बार शिंदे गुट के साथ गठबंधन की संभावना से समीकरण बदले हुए हैं। भाजपा विधायक प्रशांत ठाकुर का दावा है कि पार्टी फिर से महापौर पद हासिल करेगी और विकास के आधार पर जनता का समर्थन मिलेगा।

आरक्षण की व्यवस्था कैसी होगी?

इस चुनाव में पनवेल नगर निगम के 20 वार्डों में कुल 78 पार्षद पदों के लिए आरक्षण निर्धारित किया गया है। इनमें से 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। आरक्षण के अनुसार, छह सीटें अनुसूचित जाति के लिए हैं, जिनमें से तीन सीटें अनुसूचित जाति की महिला उम्मीदवारों के लिए हैं, जबकि अनुसूचित जनजाति की दो सीटों में से एक सीट महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। इसके अलावा, सामान्य वर्ग में भी महिलाओं के लिए बड़ी संख्या में आरक्षण दिया गया है।

भाजपा की तैयारी और सत्ता बरकरार रखने की चुनौती

पनवेल का राजनीतिक समीकरण पूर्व सांसद रामशेठ ठाकुर के इर्द-गिर्द घूमता है। ठाकुर परिवार जब शेकप पार्टी में था, शेकप सत्ता में थी। जब कांग्रेस पार्टी में था, कांग्रेस सत्ता में थी। जब भाजपा सत्ता में था, भाजपा सत्ता में रही। इस बार प्रशांत ठाकुर ने शेकप पार्टी को विभाजित कर दिया है और शेकप के पास अब केवल पांच पार्षद बचे हैं। इसी वजह से विश्लेषकों का मानना है कि मजबूत विपक्षी दल न होने के कारण भाजपा एक बार फिर पनवेल नगर निगम में सत्ता हासिल कर लेगी।

शेकप पर सहयोगियों का दवाब

भारतीय शेतकर कामगार पार्टी (शेकप) के कई पूर्व पार्षदों के भाजपा में शामिल हो जाने से शेकप में एक खालीपन सा आ गया है। इस कमजोर स्थिति का फायदा उठाते हुए, महा विकास अघाड़ी में शेकप की सहयोगी शिवसेना (ठाकरे गुट), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और कांग्रेस ने सीट बंटवारे को लेकर आक्रामक रुख अपनाया है। वे पिछले चुनावों में बीएसपी की कुछ सीटों पर अपना दावा कर रही हैं और बीएसपी को 38 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटा रही हैं। हालांकि, महा विकास अघाड़ी की अंतिम तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं है।

उम्मीदवारों का रेला

पनवेल नगर निगम चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 दिसंबर है, लेकिन शहर की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों ने अभी तक उम्मीदवारों की सूची घोषित नहीं की है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा है कि उम्मीदवारों की घोषणा में जानबूझकर देरी की जा रही है ताकि विद्रोह से बचा जा सके, क्योंकि इतने वर्षों बाद इस चुनाव में बड़ी संख्या में उम्मीदवार हिस्सा ले रहे हैं। भाजपा की 78 सीटों के लिए 400 से अधिक उम्मीदवारों के आवेदन आने से मजबूत दावेदारों की संख्या बढ़ गई है, और कहा जा रहा है कि भाजपा ने नामांकन न मिलने की स्थिति में दलबदल के जोखिम को ध्यान में रखते हुए नामों की घोषणा रोक रखी है। अन्य पार्टियों का भी यही हाल है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के भीतर आंतरिक असंतोष से बचने के लिए उम्मीदवारों की घोषणा और 'एबी फॉर्म' का वितरण 29 दिसंबर को एक साथ करने की योजना बनाई जा रही है। जिन उम्मीदवारों को नामांकन नहीं मिला है, उन्होंने चुनाव विभाग में आवेदन दाखिल करने से पहले ही सोशल मीडिया पर स्वतंत्र उम्मीदवारों के लिए गुप्त प्रचार अभियान शुरू कर दिया है और 'हम पार्षद हैं' जैसे नारे लिखे पोस्टर दिखाई देने लगे हैं।

पैनल सिस्टम और 20 प्रभागों की रणनीति

पनवेल मनपा में कुल 78 वार्ड हैं, लेकिन चुनाव पैनल सिस्टम के तहत कराए जाएंगे। इसके लिए इन 78 वार्डों को 20 प्रभागों में बांटा गया है। 2017 में भी यही व्यवस्था लागू थी। पैनल सिस्टम के कारण चुनाव व्यक्तिगत उम्मीदवारों के साथ-साथ दलों की संगठनात्मक ताकत की भी परीक्षा बन जाता है।

पनवेल महानगरपालिका तैयार

पनवेल नगर निगम क्षेत्र में कुल 5 लाख 54 हजार 578 मतदाता हैं और उनके लिए 661 मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। छह मंडलों के लिए छह रिटर्निंग ऑफिसर और 12 सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया के लिए लगभग 4500 कर्मचारियों को नियुक्त किया जाएगा।

कुर्ला विधानसभा क्षेत्र की समस्याएं

कौन मारेगा बाज़ी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कुर्ला विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों बीएमसी चुनाव को लेकर राजनीतिक चर्चाओं का केंद्र बना हुआ है। गलियों, चाय की दुकानों और सोसाइटी बैठकों में राजनीति की सरगर्मियां महसूस की जा सकती हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि लोग खुलकर अपनी राय रखने से अब भी झिझक रहे हैं। 18 किलोमीटर के दायरे में फैले कुर्ला विधानसभा चुनाव क्षेत्र में असुविधाओं की भरमार है। हर कदम पर समस्याएं हैं। रेलवे स्टेशन के दोनों ओर फेरीवालों का कब्जा है। बची-खुची कसर ऑटोरिक्शा वालों ने पूरी कर दी है। बीकेसी का डिवेलपमेंट हुआ, किंतु वहां आने जाने वाले को कुर्ला स्टेशन के बाहर रोज ऑटो वालों से लड़ाई लड़नी पड़ती है। कुर्ला कुरेशी नगर की पहाड़ियों पर बसे झोपड़े आपदा को आमंत्रित करते हैं। बरसात के समय लोग जान हथेली पर लेकर रहते हैं। इसके बावजूद भी वहां गैरकानूनी निर्माण कार्य थम नहीं रहा है। तीन-चार मंजिला झोपड़े बन गए हैं। इससे यहां की बस्ती बहुत ही घनी हो गई है। इसका असर बुनियादी सुविधाओं पर पड़ रहा है। चप्पल जूते बनाने और उससे बेचने के लिए बड़ा मार्केट हैं जहां किसी ने ध्यान नहीं दिया। ऐसे ढेरों प्रश्न है जिससे आने वाले नगरसेवकों को जूझना पड़ेगा।

वॉर्ड वाइज विश्लेषण

- वॉर्ड 149 (एम/पश्चिम): इस वॉर्ड में मतदाताओं की संख्या लगभग 40,906 है। यहाँ भाजपा के सुषम सावंत नगरसेवक रहे हैं। 2017 में यहाँ 55.17% मतदान दर्ज किया गया था। चूँकि 2025 के लिए भी यह 'सर्वसामान्य' श्रेणी में बरकरार है, इसलिए यहाँ मुख्य चुनावी मुकाबला मौजूदा मतदाता आधार को बनाए रखने और विकास कार्यों की निरंतरता पर केंद्रित रहेगा।
- वॉर्ड 151 (एम/पश्चिम): यहाँ अनुमानित मतदाताओं की संख्या 42,000 से 45,000 के बीच है। वर्तमान में यहाँ भाजपा के राजेश फुलवारीया का प्रतिनिधित्व है। हालांकि, 2025 के लिए इस वॉर्ड का आरक्षण बदलकर 'SC महिला' कर दिया गया है। मतदाता संख्या के लिहाज से यह एक बड़ा वॉर्ड है, और आरक्षण में बदलाव के कारण यहाँ के उम्मीदवारों को नए महिला चेहरों के साथ दलित और महिला मतदाताओं के बीच नई पैठ बनानी होगी।
- वॉर्ड 167 (एल वॉर्ड): इस वॉर्ड में लगभग 38,000 से 42,000 मतदाता हैं। यहाँ कांग्रेस की दिलशाद बानू अश्रफ आझमी नगरसेविका हैं। यह क्षेत्र अत्यंत घनी आबादी वाला है। 2025 में इसे 'OBC महिला' के लिए आरक्षित किया गया है। यहाँ की चुनावी रणनीति मुख्य रूप से अल्पसंख्यक और ओबीसी समुदाय के वोटों के ध्रुवीकरण और मीठी नदी के पास रहने वाले मतदाताओं की समस्याओं पर आधारित होगी।
- वॉर्ड 168 (एल वॉर्ड): यहाँ मतदाताओं की संख्या लगभग 40,000 से 43,000 के बीच है और यहाँ राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गट) की सईदा खान का प्रभाव है। 2025 में इसे 'सर्वसामान्य महिला' से बदलकर 'सर्वसामान्य (G)' कर दिया गया है। मतदाताओं की बढ़ती संख्या और आरक्षण हटने से यहाँ चुनावी मुकाबला और अधिक प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद है।

- वॉर्ड 169 (एल वॉर्ड): इस वॉर्ड में लगभग 39,000 से 42,000 मतदाता हैं और वर्तमान में शिवसेना (उबाठा) की प्रविणा मोरजकर यहाँ का प्रतिनिधित्व करती हैं। 2017 में यह SC वॉर्ड था, लेकिन 2025 में इसे 'सर्वसामान्य' श्रेणी में डाल दिया गया है। मतदाता प्रोफाइल में दलित और श्रमिक वर्ग की अधिकता होने के कारण, आरक्षण हटने के बाद भी यहाँ जातीय समीकरण और स्थानीय विकास के मुद्दे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
- वॉर्ड 170 (एल वॉर्ड): यहाँ अनुमानित मतदाता संख्या 41,000 से 44,000 है। राकांपा (अजित पवार गट) के कप्तान मलिक यहाँ के अनुभवी नेता हैं। 2025 के लिए इस वॉर्ड को 'OBC महिला' के लिए आरक्षित कर दिया गया है। इतनी बड़ी मतदाता संख्या वाले वॉर्ड में आरक्षण परिवर्तन राजनीतिक दलों के लिए चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि उन्हें एक मजबूत महिला ओबीसी चेहरे को चुनावी मैदान में उतारना होगा।
- वॉर्ड 171 (एल वॉर्ड): नेहरूनगर क्षेत्र के इस वॉर्ड में मतदाताओं की संख्या लगभग 37,000 से 40,000 है। शिवसेना (शिंदे) की सान्वी तांडेल यहाँ की प्रतिनिधि हैं। 2025 में इसे 'ओबीसी महिला' से 'ओबीसी' (पुरुष/महिला दोनों के लिए खुला) कर दिया गया है। यहाँ के मतदाता मुख्य रूप से मध्यमवर्गीय और मराठी भाषी हैं, और यहाँ चुनावी चर्चा पुनर्विकास के मुद्दों और राजनीतिक गुटों की वफादारी के इर्द-गिर्द सिमटी रहेगी।

DBD विशेष
महानगरपालिका चुनाव

महाराष्ट्र में अब दो नहीं, तीन मोर्चे

सत्ता परिवर्तन के केंद्र बनेंगे मुंबई और पुणे

महाराष्ट्र में आगामी महानगरपालिका और जिला परिषद चुनावों से पहले राजनीति ने नया मोड़ ले लिया है। मुकाबला अब केवल महायुति और महाविकास आघाड़ी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि तीसरे मोर्चे के उभार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह नया प्रयोग शहरी राजनीति को नई दिशा दे सकता है।

29 महानगरपालिकाओं में चुनावी बिगुल

राज्य की 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद सभी दल सक्रिय हो गए हैं। सत्ता संतुलन साधने के लिए नए-नए राजनीतिक प्रयोग सामने आ रहे हैं। मुंबई के बाद अब पुणे भी एक बड़ी राजनीतिक प्रयोगशाला बनता दिख रहा है, जहां गठबंधन और पुनर्गठन की संभावनाएं जोर पकड़ रही हैं।

मुंबई में उद्धव–राज की युति से उत्साह

मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक मंच पर आने से कार्यकर्ताओं और नेताओं में जबरदस्त उत्साह है। यह एकता केवल प्रतीकात्मक नहीं मानी जा रही, बल्कि आने वाले चुनावों में इसका राजनीतिक अंडरकरंट स्पष्ट रूप से दिखने की संभावना जताई जा रही है। मराठी मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा भी तेज हो गई है।

पुणे में बहुआयामी राजनीतिक प्रयोग

पुणे में उभरता राजनीतिक समीकरण केवल शरद पवार और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस के एक होने तक सीमित नहीं है। यहां कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और मनसे के साथ आने की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं। यदि यह प्रयोग सफल होता है, तो यह राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकता है।

राज्य की राजनीति पर दूरगामी असर

यदि यह तीसरा मोर्चा आकार लेता है, तो मुंबई, ठाणे, पुणे, नाशिक, छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर जैसे शहरों में दलों का गणित बिगड़ सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि यह प्रयोग केवल स्थानीय निकाय चुनावों तक सीमित नहीं रहेगा, आने वाले वर्षों में महाराष्ट्र की राज्य राजनीति की दिशा और दशा भी तय कर सकता है।